R. K. GROUP OF COLLEGE

BEHIND KALWAR POLICE STATION, KALWAR, JAIPUR (RAJ.)

Date________
Page________

S.No.	Name of Experiment	Page No.	Date of Experiment	Date of Submission	Remarks
	Dissection - Swim bladder				
	- Cranial Nerves				
-	General Viscera & Alimentary Canal of Labeo				
-	Afferent & Efferent branchial vessels of Labeo				
	Permanent Slide Preparation -				
	Oral Hood of Amphioxus				
	Scales of fishes				
	Hair of Mammals				
	Developmental biology -				
	Study of chick Embryo :- 18 Hrs., 21 Hrs., 33 Hrs., 48 Hrs., 72 Hrs., & 96 Hrs. of incubation.				
	Study of Extra embryonic membranes in chick development.				
	Study of developmental Stages :- blastulla, Gastulla, neurula, Cleavage				
	I Spots -				
	Protochordates - Herdmania				
	Oikopleura				
	Ascidia				
	Botryllus				
	Agnatha - Petromyzon				
	Myxine				
	Ammocoete larva				

PTC

Date
Page

S.No.	Name of Experiment	Page No.	Date of Experiment	Date of Submission	Remarks
	Pisces - Torpedo				
	Chimaera				
	Labeo				
	Anguilla				
	Hippocampus				
	Echenies				
	flat-fish				
	Amphibia - Icthyophis				
	Salamander				
	Hyla				
	Rana				
	Reptillia - Testudo				
	Chelone				
	Tortoise				
	Draco				
	Chameleon				
	Eryx				
	Naja				
	Viper				
	Crocodilus				
	Aves :- Pavo Cristatus				
	Choriotis				
	Columba				

PTC

Page

S.NO.	Name of Experiment	Page No.	Date of Experiment	Date of Submission	Remarks
	Mammalia -				
	Manis				
	Bat				
	Kangaroo				
	Ornithorhynchus				

Date____________
Page____________

Dissection

Page No. :..........................   Date :..........................

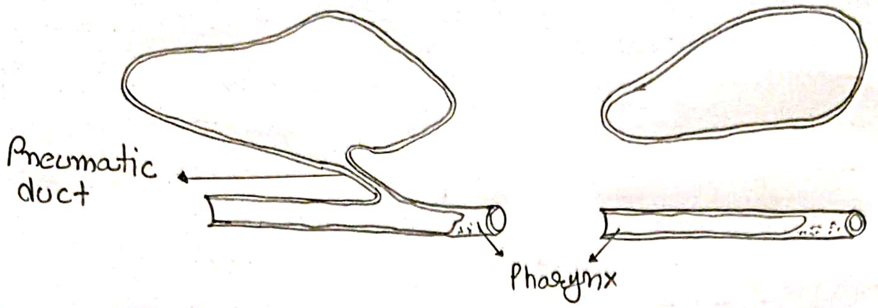

[A] PHYSOSTOMOUS   [B] PHYSOCLISTOUS

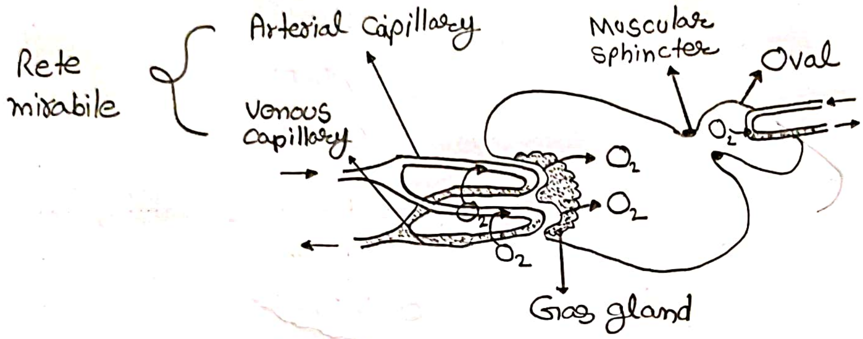

[C] SWIM BLADDER

Teacher Signature ....

PRIYANSHU PUBLICATION

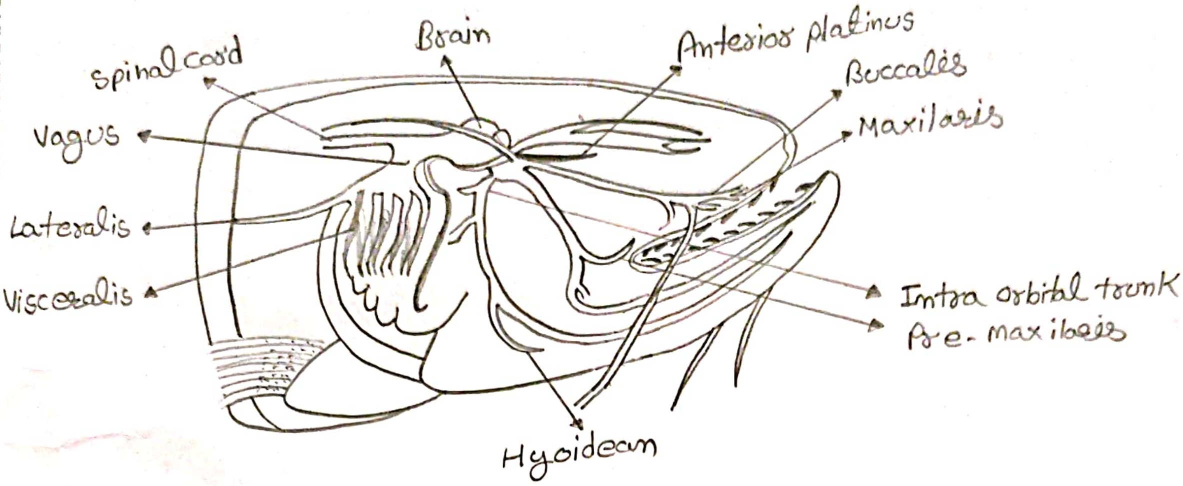

DIG:- CRANIAL NERVES IN LEBEO

Page No. :.........................

Date :.........................

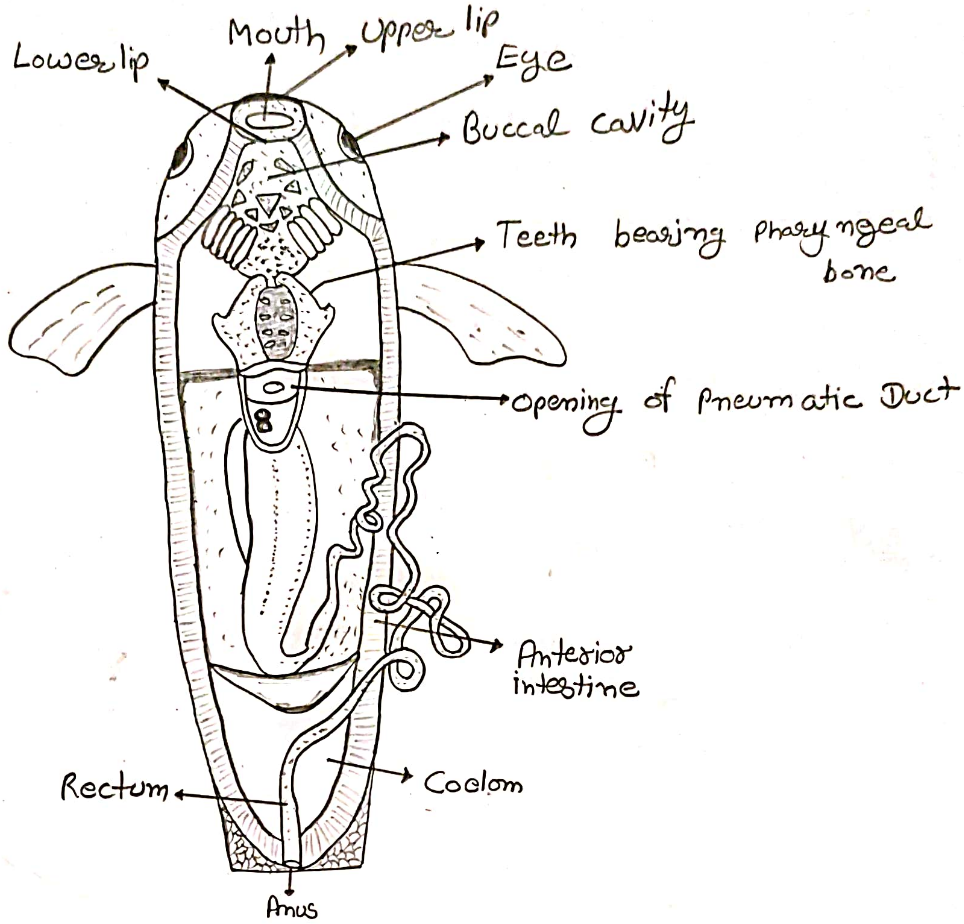

DIG :- GENERAL VISCERA & ALIMENTARY CANAL OF LABEO

Teacher Signature ....

Teacher Signature ....

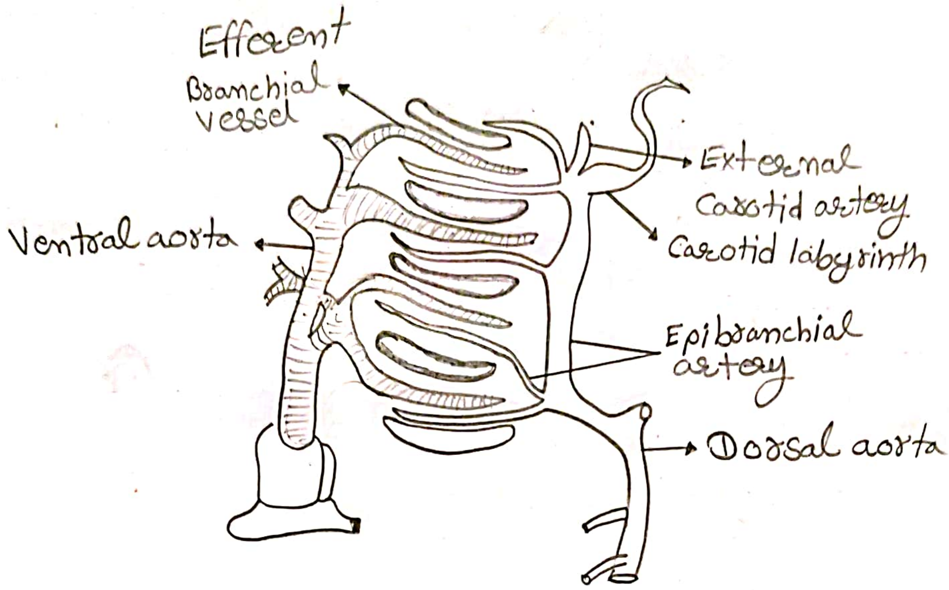

DIG :- AFFERENT & EFFERENT BRANCHIAL VESSELS OF LABEO

Date
Page

Permanent Slide Preparation

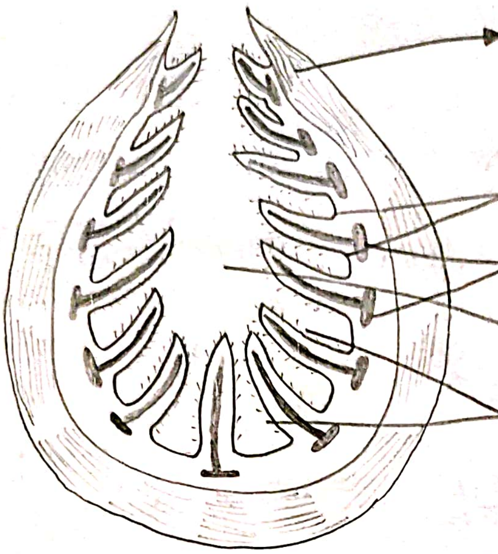

Dig:- ORAL HOOD OF Amphioxus

Oral Hood of Amphioxus

Characters →

i. एम्फिओक्सस के अग्र शिरे पर तुण्ड के नीचे मुख पाया जाता है।

ii. यह देह के पृष्ठ व पार्श्व प्रवर्धों से बना होता है।

iii. मुख छिद्र के भीतर जिलेटिनी टुकडो का एक वलय कंकाल पाया जाता है।

iv. वलय कंकाल से कठोर नुमा प्रवर्ध निकले रहते हैं, जो मुख स्पर्शकों का अक्षीय कंकाल बनाते हैं।

v. मुख छिद्र एक प्याले नुमा गुहा अथवा प्रघाण को घेरे रहता है।

vi. पृष्ठकांग के हर सेत्रक में एक खांचे पायी जाती है, जो अगले शिरे पर गर्त के रूप में समाप्त होती है।

Date______
Page______

Scales of fishes

Fishes में शल्क त्वचा का रूपांतरण होते हैं। मछलियों में Placoid, Cycoid, ganoid, Ctenoid, Rhomboid आदि प्रकार के शल्क पाये जाते हैं।

शल्क पृथक करने कि विधि → लेबियो जैसी खाद्य मछलियों में चक्राभ शल्क पाये जाते हैं, इन्हें, चिमटी की सहायता अलग निकाला जा सकता है। त्वचा से अलग करने हेतु चिमटी की नोक अथवा स्केलपेल या चाकू की सहायता ली जा सकती हैं। स्लाइड बनाने के लिए एक/दो शल्क त्वचा से अलग करें। इनके त्वचा के जुड़ने के स्थान पर यदि अतिरिक्त उतक लगा रह गया तो इस चाकू से इस प्रकार अलग करें, कि शल्क क्षतिग्रस्त न हो। शल्क की निर्जलीकृत करे व अभिरंजन हेतु विक्रो इंडिगो कार्मिन / अन्य उपलब्ध उपर्युक्त अभिरंजन काम ले। डी.पी एक्स / कनाडा बाल्सम / अन्य उपलब्ध माउंटिंग द्रव्य काम लेकर स्थाई स्लाइड बनाएँ।

Structure → चक्राभ शल्क आकार में बड़े। इनमें मछली की आयु बढ़ने के साथ वृद्धि होती हैं, जो वृद्धि रेखाओं के रूप में देखी जा सकती हैं, ये वृद्धि रेखाएं शल्क कि चक्र जैसा स्वरूप प्रदान करती हैं जिसके कारण इन शल्कों को चक्राभ शल्क कहा जा सकता हैं।

Characters →

i. ये शल्क अस्थिल मछलियों का बाह्य कंकाल बनाते हैं।
ii. ये शल्क तीरछी पंक्तियों में विन्यासित होती हैं।
iii. ये शल्क चक्राभ आकृति के होते हैं।
iv. इन शल्कों पर वृत्ताकार रूप से विन्यासित वृद्धि रेखाएं पायी जाती हैं।

Page No. :............................ Date :............................

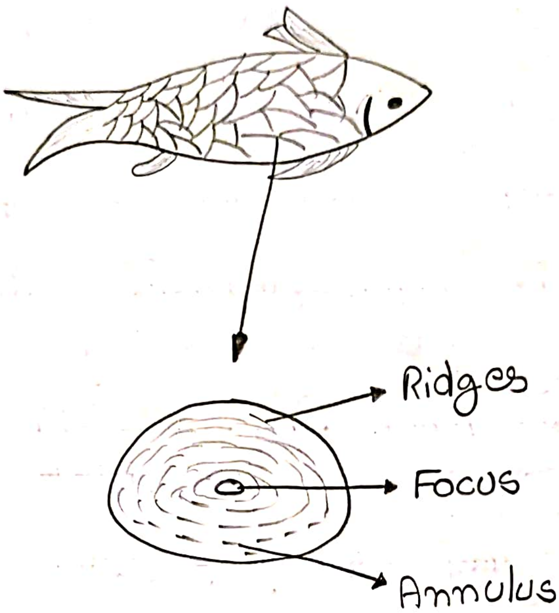

Dig :- SCALES OF LABEO

Teacher Signature ....

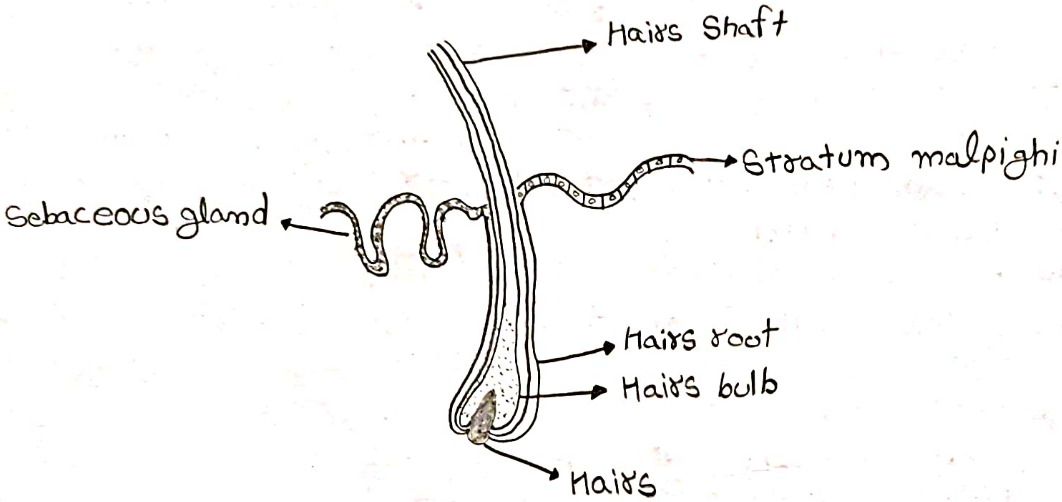

Dig :- STRUCTURE OF HAIR

Hair of Mammals

स्तनियों के लक्षणों में स्तन ग्रंथि की उप. के अतिरिक्त त्वचा पर बाल पाये जाना इसका विशिष्ट लक्षण होता है।

बाल प्राप्त करने की विधि → चिमटी की सहायता से एक रोम/बाल पकड़ कर वॉच ग्लास में ले।

A. सम्पूर्ण माउंट/Whole Mount → सम्पूर्ण रोम को पूर्व में वर्णित विधि द्वारा निर्जलीकृत कर DPX/ कनाडा बालसम में माउंट करे।

Characters → i. रोम/बाल त्वचा में एपिडर्मिस से व्युत्पन्न संरचनाएं हैं।
ii. बाल को संरचना की दृष्टि से दो भागों में बांटा - I. Hair root
II. Hair Shaft

I. Hair Root → i. यह रोम का वह भाग है, जो त्वचा में धंसा हुआ होता है।
ii. रोम जड़ का आधारी छोर एक कंद/बल्ब के रूप में फूला हुआ होता है, जो रोम कंद कहलाता है।
iii. रोम जड़ में उप. डर्मिस में महिन रक्त कोशिकाओं व तंत्रिकाएं के संवेदी छोर कहलाया + त में पाये जाते हैं।
iv. प्रत्येक रोम पुटिका के समीप एक तैल ग्रंथि खुलती हैं। रोम पुटिका की भित्ति दो स्तरों में विभेदित - बाहरी व भीतरी मूल खोल।
बाहरी मूल खोल एपीडर्मिस के मूल स्तर की तरह होती है।
भितरी मूल खोल फिर ③ स्तरों में विभेदित - 1. क्यूटिकल
2. हक्सले का स्तर
3. हेन्ले का स्तर

II. Hair Shaft → i. यह रोम/बाल का त्वचा के बाहर निकला हुआ भाग होता है।
ii. रोम के इस भाग की Cells पूर्ण रूप से शल्कीभूत होकर मृत हो जाती हैं। अतः रोम काण्ड का बाहरी भाग नीर्जीव होता है।

T.S. of Hair

रोम को पिथ में रखकर तेज धार वाली ब्लेड की सहायता से अनुप्रस्थ काट को उपरोक्त वर्णित विधि से स्थाई स्लाइड बनायी जा सकती है।

Characters → बाल/रोम के अनुप्रस्थ काट से दूसरे (3) प्रमुख भाग देखे जा सकते हैं -

i. क्यूटिकल/Clide → यह रोम का सबसे पतला व बाहरी भाग होता है।

ii. कॉर्टेक्स/Cortex → यह क्यूटिकल के नीचे स्थित होता है व रोम का मध्य स्तर बनाता है।

iii. मेडूला/Medula → यह रोम का सबसे आतंरिक स्तर होता है। इस स्तर में परस्पर सटी बहुभुजिय कोशिकाएं पायी जाती हैं, जो एक अक्ष का निर्माण करती हैं, जिसे मध्य अक्ष कहते हैं।

सभी जंतुओं में रोम / बालों की आधारभूत संरचना समान होती हैं, अंतर केवल मेडूलरी अक्ष में होता है।

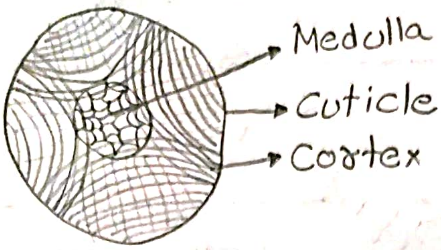

Dig :- T.S. OF HAIR

Dig :- MAN

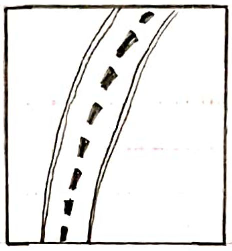

Dig :- COW

Dig :- GOAT

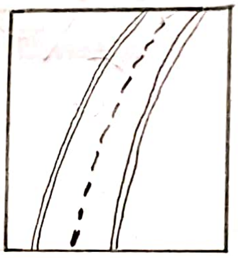

Dig :- DOG

Page No. :..........................

Date :..........................

Developmental Biology

Teacher Signature ....

Various Stages of Development of Chick

18 Hour's Stage of Incubation

Characters →

i. 18 घण्टे के उष्मायन के पश्चात आदि रेखा नोटोकोर्ड, न्यूरल प्लेट स्पष्ट दिखाई देते हैं।

ii. न्यूरल प्लेट के अग्र सिरे पर प्रो-एम्निऑन विकसित होता है।

iii. न्यूरल प्लेट हेंसन नोड द्वारा आदि रेखा से पृथक रहती है।

iv. ऑपेका क्षेत्र व पेलुसिडा क्षेत्र स्पष्ट दिखाई देते हैं।

v. यह सिर प्रवर्ध अवस्था भी कहलाती है।

vi. आदि रेखा बनने के बाद हेंसन नोड के आस-पास की cells की वृद्धि ही नोटोकॉर्ड का निर्माण प्रारंभ करती है।

vii. सिफेलिक क्षेत्र में न्यूरल प्लेट का अग्र भाग प्रो-एम्निओन कहलाता है।

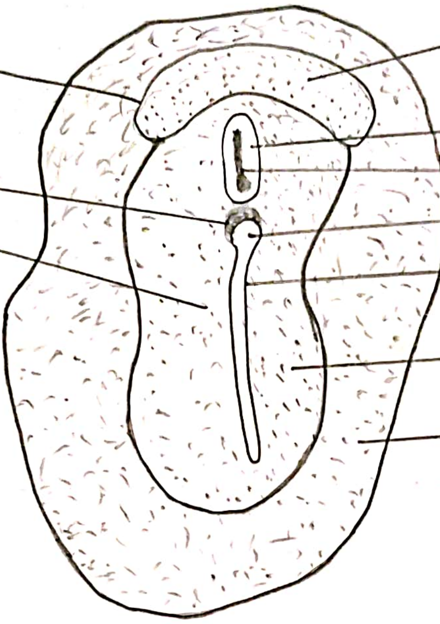

Dig :- 18 HOUR'S STAGE OF INCUBATION

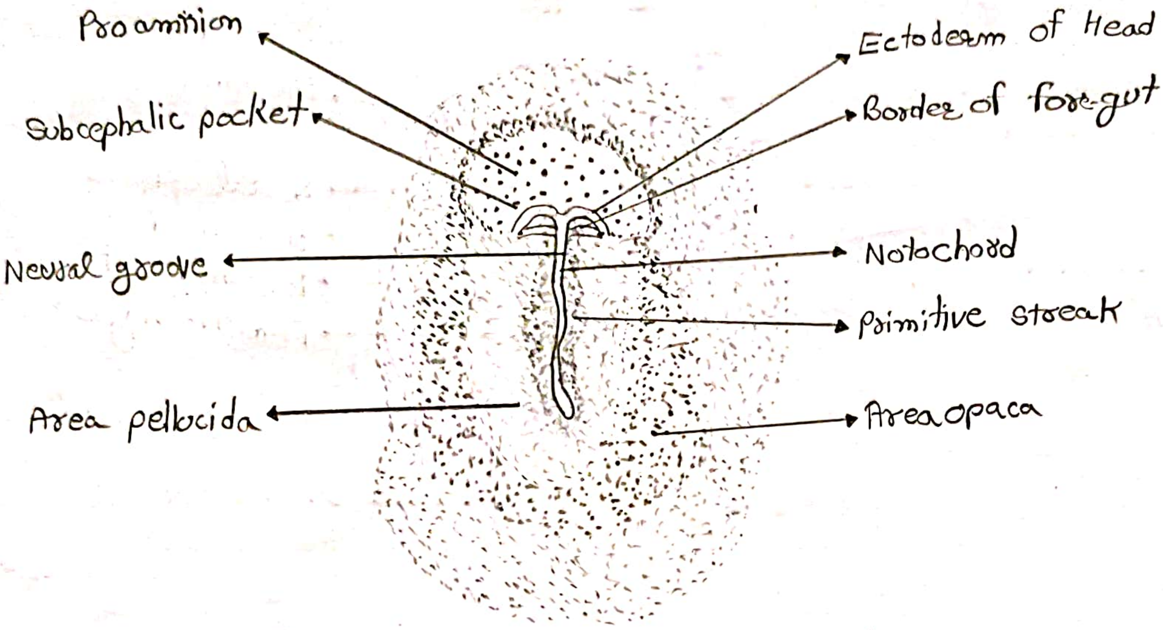

DIG :- 21 HOUR'S STAGE OF INCUBATION

Date
Page

21 Hour's Stage of Incubation

Characters →

i. नोटोकॉर्ड व तंत्रिकीय गर्त अनुविकसित होते हैं।

आदि रेखा की मध्यजन स्तर Cells पार्श्व दिशा में फैलना शुरू हो जाती है

उप सिफैलिक फुश बन जाता हैं।

तांत्रिक गर्त हेंसन नॉड द्वारा आदि रेखा से पृथक रहती हैं।

पेल्यूसिडा क्षेत्र भ्रूणीय व बाह्य भ्रूणीय क्षेत्र बनाता हैं।

एक जोड़ी कायिक खण्ड बन जाते हैं।

आदि तंत्रों की Cells के विभेदन के कारण पूर्व आंत्र का निर्माण शुरू हो जाता हैं।

Date________
Page________

33 Hour's Stage of Incubation

Characters →

i. 13 जोडी कायिक खण्ड बन जाते हैं। [12 जोडी सुस्पष्ट]

ii. मस्तिष्क - अग्र, मध्य व पश्च मस्तिष्क में विभेदित,

iii. हृदय का विकास प्रारंभ हो जाता है।

iv. आदि रेखा छोटी हो जाती है।

v. अग्र मस्तिष्क में पार्श्व बर्हिवृद्धि के रूप में दृष्य आशय दिखाई देते हैं,

vi. कायिक खण्डो व तंत्रिका नाल के मध्य नोटोकोर्ड स्पष्ट दिखाई देती है।

Page No. :.......................... Date :..........................

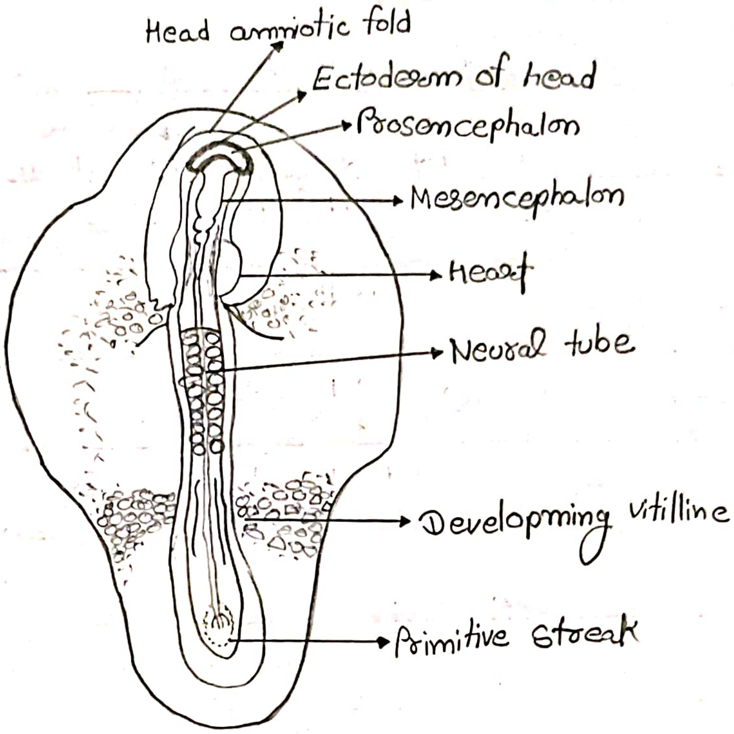

DIG:- 33 HOUR'S STAGE OF INCUBATION

Teacher Signature ....

PRIYANSHU

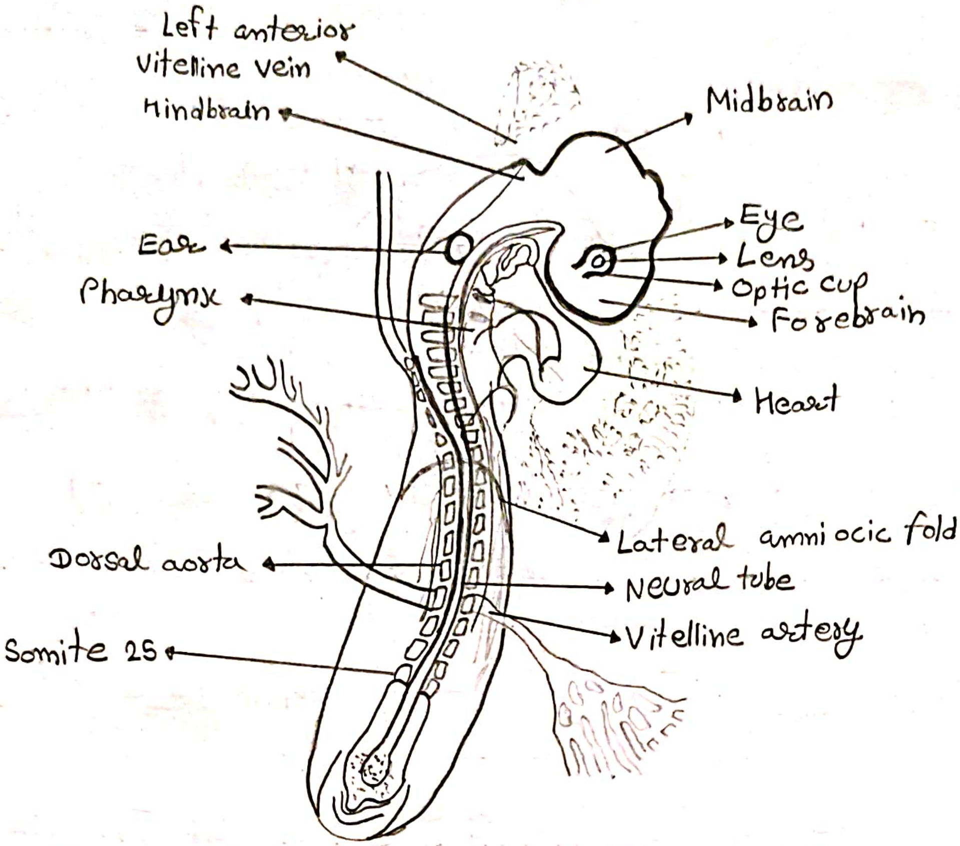

DIG :- 48 HOUR'S STAGE OF INCUBATION

Date________
Page________

48 Hour's Stage of Incubation

Characters →

i. कायिक खण्ड के 28 जोड़े पाये जाते हैं।

ii. सिर बांयी ओर मुड़ा हुआ दिखाई देता है।

iii. अग्र शिर पर न्यूरल ट्यूब मिसेन सिफेलोन सूत्र में मुड़ जाती हैं, जिससे अग्र व पश्च मस्तिष्क पास-2 में आ जाते हैं।

iv. मस्तिष्क के पश्च भाग में भी इस प्रकार का मुड़ाव आता है, जिसे ग्रीवा आनमन कहते हैं।

v. पेलुसिडा क्षेत्र में संवहन जाल बढ़ जाता है।

vi. आदि रेखा छोटी व अस्पष्ट हो जाती है।

vii. भ्रूण आशय / ओटोसिस्ट दिखाई देती हैं।

viii. आप्टिक आशय क्रमशः ऑप्टिक कप व लेंस में विभेदित हो जाती है।

Date
Page

72 Hour's Stage of Incubation

Characters →

i. 35 कायिक खण्ड बन जाते हैं।

भ्रूण के अग्र पश्च अक्ष पर दैहिक ऐंठन की प्रक्रिया जारी रहने के कारण भ्रूण पीतक के बायीं ओर दिखाई देता है।

पाद कलिकाएं स्पष्ट दिखाई देती हैं।

पुच्छ कलिका भी बन जाती हैं।

हृदय में आलिंद व निलय के बीच का संकीर्णन गहरा हो जाता है व अंतरा-आलिंद पट का निर्माण प्रारंभ हो जाता है।

मुख पट्टिका द्वारा मुख बन जाता हैं।

आंखे पूर्ण विकसित दृक् चषक व लेंस दर्शाती हैं।

श्रवण आशय नाशपाती के आकार के होते हैं।

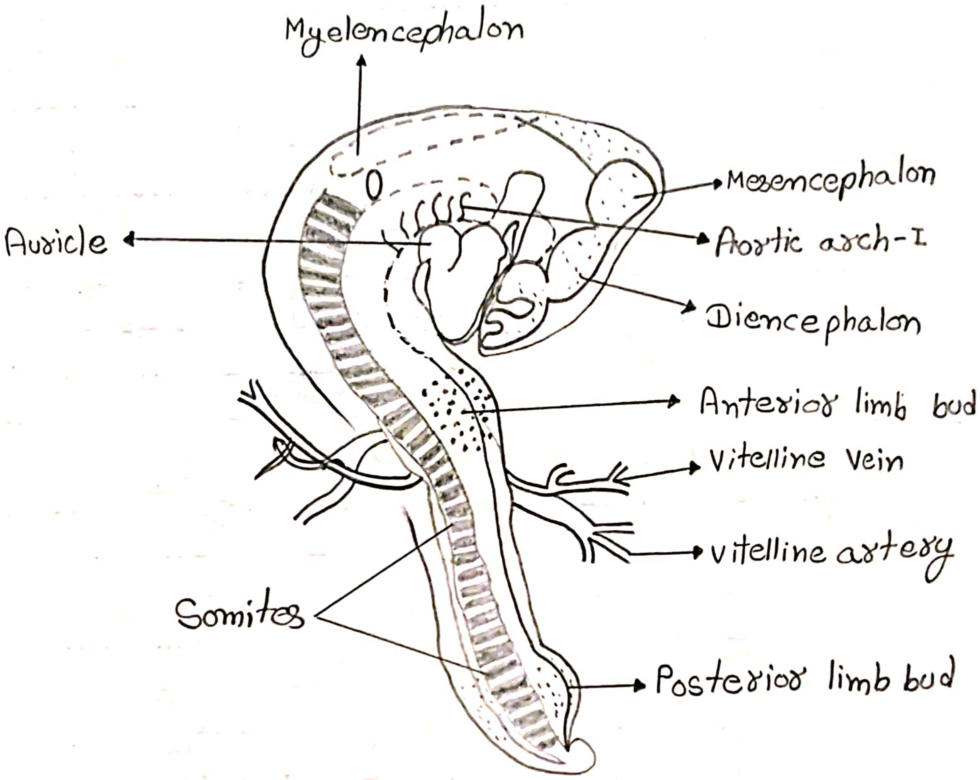

DIG:- 72 HOUR'S STAGE OF INCUBATION

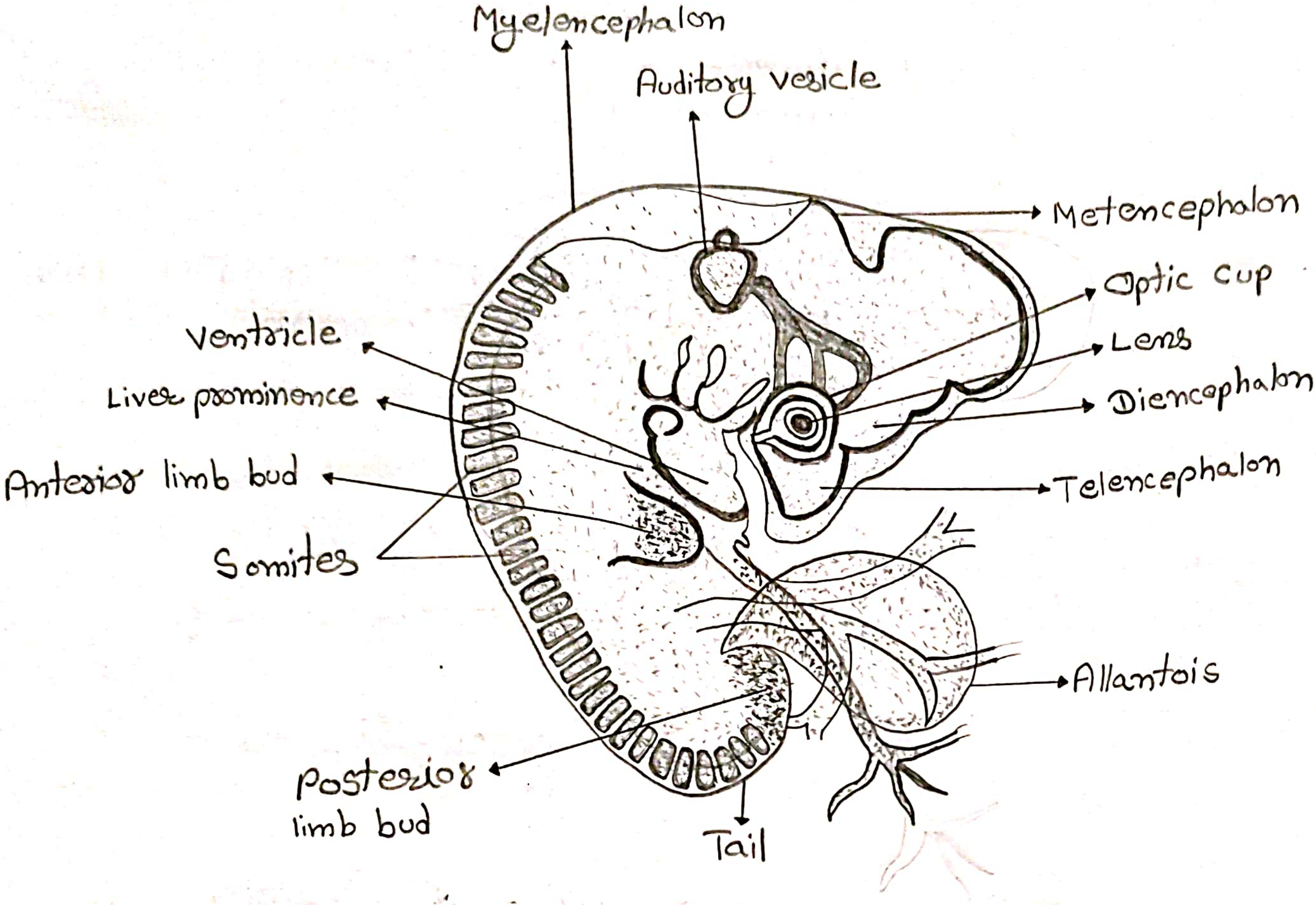

DIG :- 96 HOUR'S STAGE OF INCUBATION

Date
Page

96 Hour's of Stage of Incubation

Characters →

i. 51 कायिक खण्ड पाये जाते हैं।

ii. दैहिक एंठन के फलस्वरूप सम्पूर्ण भ्रूण 90° से घूमकर पीतक पर अपनी बायी दिशा में लेटा हुआ प्रतीत होता है।

iii. देह स्पष्ट रूप में सिर, धड़, व पुच्छ में विभेदित होती है।

iv. मस्तिष्क के विभिन्न भाग सुस्पष्ट दिखाई देने लगते हैं।

v. संवेदी अंग विकसित होने लगते हैं।

vi. हृदय के विभिन्न भाग भी विकसित होकर दिखाई देते हैं।

vii. एम्निऑन व कोरियोन पूर्ण विकसित हो जाते हैं।

Date______
Page______

Study of Foetal Membranes of Chick Embryo

भ्रूण कलाओं के आधार पर जंतुओं को दो समूहों में बांटा - एम्निओटा, एनएम्निओटा

प्रथम समूह के जंतुओं में भ्रूण कलाए पायी जाती हैं। जैसे- पक्षी, सरिसृप, स्तनधारी वर्ग के जंतु
दूसरे समूह के जंतुओं में भ्रूण कलाएं नही पायी जाती, जैसे - मत्स्य वर्ग व एम्फिबिया के प्राणि समूह।

मुर्गी के भ्रूण के विकास के दौरान निम्न (4) भ्रूण कलाए पायी जाती हैं -

1. पीतक कोष/Yolk Sac →
   i. यह सबसे पहले बनने वाली भ्रूण बाह्य कला है।
   ii. एरिया ओपेका की स्प्लेंकनोप्लूरा (Mesoderm + Endoderm) पीतक पर फैल इसे ढक लेती हैं, वही पीतक कोष कहलाती है।
   iii. इसका प्रमुख कार्य पीतक को अवशोषित कर विकासशील भ्रूण को पोषण प्रदान करना है।

2&3. एम्निओन & कोरिओन/ Amnion & Chorion →
   i. उष्मायन के लगभग 30 घंटे की अवस्था में एम्निओन का प्रथम संकेत मिलता है।
   ii. यह सोमेटोप्लूर (Ectoderm + Mesoderm) से बनती है।
   iii. सोमेटोप्लूरा की बाह्य परत जिसमे बाहर की ओर Ectoderm व अंदर की ओर Mesoderm होती है, कोरिओन कहलाती है।

Date________
Page________

iv. एम्निऑन व कोरिऑन के बीच की गुहा को बाह्य-एम्निऑटिक गुहा कहते हैं।

v. यह एम्निऑटिक तरल बाह्य आघातो से भ्रूण की रक्षा करने के साथ-2 इसे सूखने से भी बचाता है।

4. एलेंटोइस / Allantois →

i. यह भ्रूणीय आंत्र से विकसित होती है।

ii. यह स्कलेकनोफुम्पुस्कस की बनी होती है, जिसका समीपस्थ भाग भ्रूणीय आंत्र में रहता है और दूरस्थ भाग भ्रूण देह से बाहर की ओर वृद्धि करता है।

iii. यह प्रोटीन उपापचय से उत्पन्न उत्सर्जी पदार्थों जैसे यूरिया व यूरिक अम्ल को संग्रहित कर भ्रूण को इसके विषैले प्रभाव से बचाती है व उत्सर्जी अंग की तरह कार्य करती है।

Page No. :.........................   Date :.........................

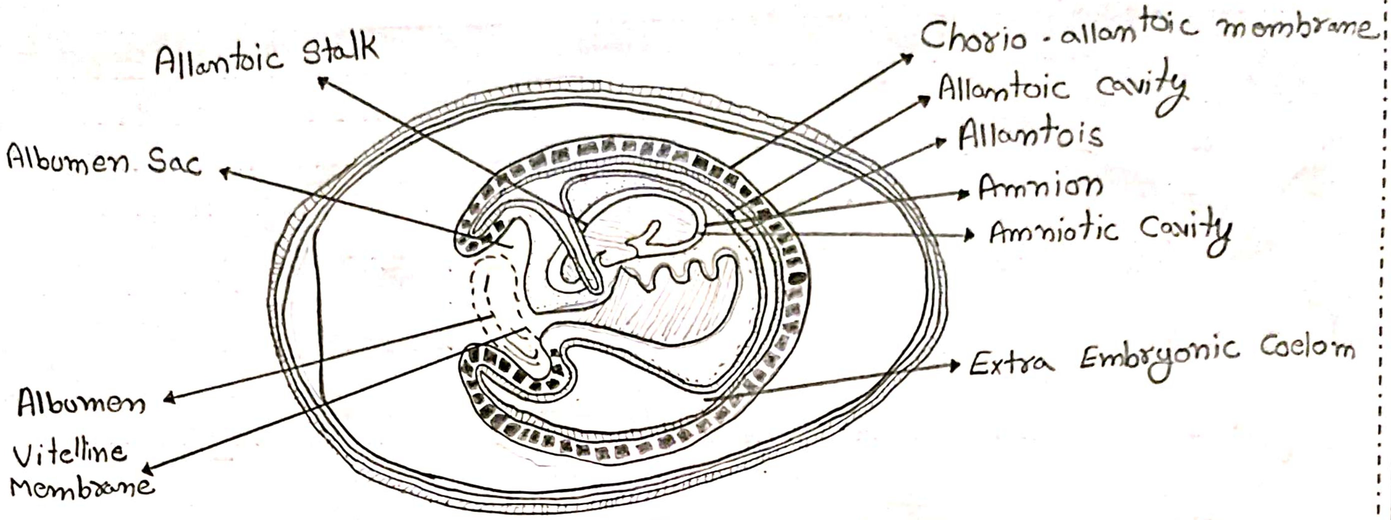

DIG :- FULLY MATURED EXTRA-EMBRYONIC MEMBRANES OF CHICK

PRIYANSHU PUBLICATION

Teacher Signature ....

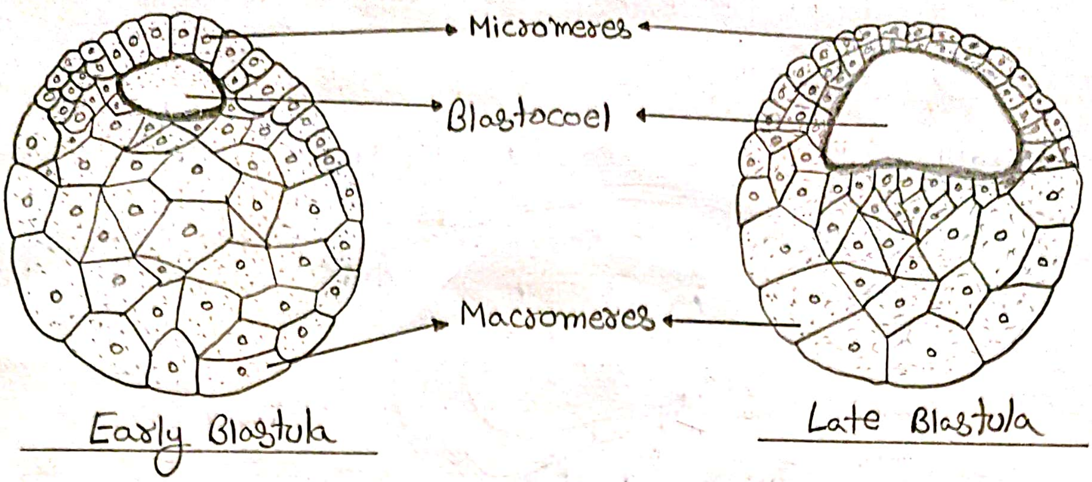

DIG :- FROG - BLASTULA

Developmental Stages

1. Blastula

विदलन की 8 कोशिका अवस्था के समय ही एक गड्ढा बनने लगता है, जिसे ब्लास्टोसील कहते हैं, जो मोरुला के बाद स्पष्ट दिखाई देने लगती है। इसमें एक द्रव्य भरा रहता है, यह देखने में खोखली गेंद सदृश रचना होती है।
इसका आधार अपेक्षाकृत बड़ी पीतक cells - मायक्रोमियर्स का होता है। ऊपरी सिरे पर छोटी रंजक cells, जिन्हें मायक्रोमियर्स कहते हैं, होती हैं।

ब्लास्टोसिल सक्रिय ध्रुव पर केंद्र से हटकर होती है। प्रारंभिक ब्लास्टुला में ब्लास्टोसील छोटी होती है, जबकि विलंबित ब्लास्टुला में यह अपेक्षाकृत बड़ी हो जाती है।

2. Gastrula

Characters →

i. तीन जनन स्तरों का निर्माण हो जाता है, इस समय भ्रूण त्रिस्तरीय हो जाता है।
[Ecto, Meso, Ando + derm]

ii. मेंढक में Gastulation ③ विधियों द्वारा होता है - अंतर्वलन, इवोल्यूशन, अध्यारोपण,

iii. सक्रिय ध्रुव पर माइक्रोमियर्स तीव्र वि॰ के फलस्वरूप इनकी संख्या बढ़ जाती है और यह अल्पक्रिय ध्रुव की मैक्रोमीयर्स पर फैलकर दबाव उत्पन्न करती है।

iv. अंतर्वलन के स्थान पर एक छिद्र बन जाता है, जिसे कोरक छिद्र कहते हैं इसके ऊपरी सिरे को पृष्ठ ओष्ठ कहते हैं। यह वृद्धि करता हुआ क्रमशः अर्द्धचंद्राकार व गोल होता है।

v. पृष्ठ ओष्ठ क्षेत्र से Cells अंदर ब्लास्टोसील की ओर गमन करती है. यह इन्वोल्यूशन कहलाता है।

vi. इन्वोल्यूशन के कारण ब्लास्टोसील कम होती जाती है और आर्केन्ट्रोन आकार में बढ़ जाती है व शनैः शनैः ब्लास्टोसील समाप्त हो जाती है।

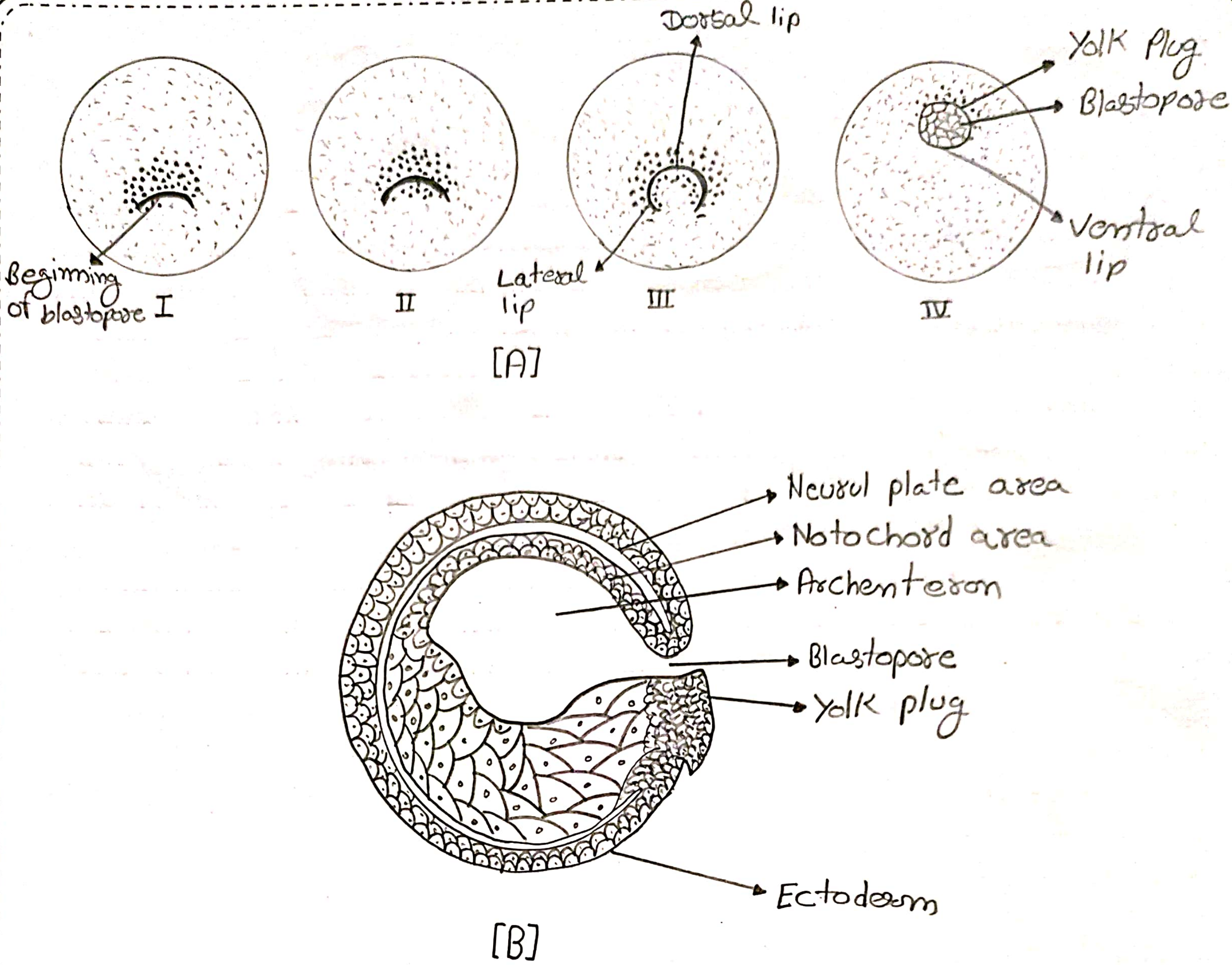

DIG :- FROG - DIFFERENT STAGES OF GASTRULATION

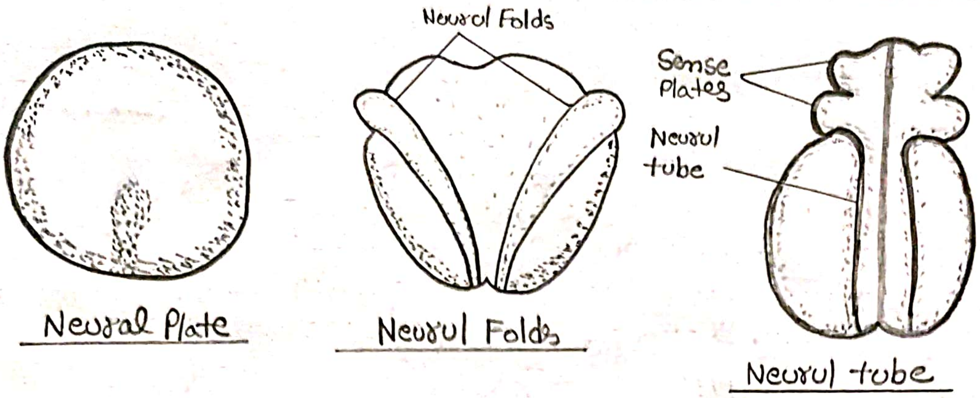

DIG:- DIFFERENT STAGES OF NEURULA

Date______
Page______

3. Neurula

Neural tube जिससे brain व Spinal Chord बनते हैं, का निर्माण Neurulation कहलाता है और भ्रूण की इस अवस्था में Neurula कहते हैं।

न्यूरोएक्टोडर्म मध्य पृष्ठ सतह पर नाशपाती सदृश हो जाती है। यह न्यूरल पट्टिका बनाती है। यह वृद्धि कर किनारों से कुछ ऊपर उठ जाती है, जिसे न्यूरल फोल्ड कहते हैं। अब इसके मध्य न्यूरल खाँच बन जाती है। यह न्यूरल खाँच न्यूरल फॉल्ड के बढ़ने से गहरी हो जाती है, तो न्यूरल ट्यूब बन जाती है।

इस अवस्था की कुछ घटनाएं निम्न हैं-

i. न्यूरल एक्टोडर्म एपीडर्मल एक्टोडर्म से पृथक हो जाती है व अंतर्वलयित होकर न्यूरल ट्यूब बनाती है।

ii. एण्डोडर्म से क्रमशः कोर्डामीजोडर्म व मीसोडर्म पृथक हो जाती है।

iii. मीजोडर्म ③ भागों में विभाजित - A) एपीमीयर B) मीजोमियर C) हाइपोमियर

एपीमियर से क्रमशः डर्मीस, स्कैलेरोटोम व मायोटोम बनते हैं। मीजोमीयर से जनन व उत्सर्जी अंग बनते हैं और हाइपोमीयर से सीलोम, हृदय रक्त cells व रक्त वाहिकाएं बनती हैं।

न्यूरूला के विकास की निम्न 3 अवस्थाएं -

i. प्रारंभिक न्यूरूला / Early neurula → में न्यूरल प्लेट लगभग चपटी रहती है। न्यूरल फोल्ड बन जाते हैं लेकिन न्यूरल खांच नहीं बनती

ii. मध्य न्यूरूला / Mid neurula → को न्यूरल फोल्ड अवस्था भी कहते हैं। इसमें न्यूरल खांच भी स्पष्ट हो जाती है।

iii. पश्च न्यूरूला / Late neurula → में न्यूरल ट्यूब स्पष्टतः बन जाती है।

PTC

Date________
Page________

4. Cleavage

निषेचन के लगभग 2½ - 3 घंटे बाद ही विदलन प्रारम्भ हो जाता है, जो पूर्णभंजी व पूर्ण होता है। प्रथम विदलन लम्बवत होता है, जिससे अण्डा 2 Cells में बंट जाता है। तत्पश्चात अण्डा 4, 8, 16, 32 Cells में विभाजित हो जाता है। इसके पश्चात 64, व 128 Cells बनती हैं।

तत्पश्चात विदलन अनियमित हो जाते हैं। इस समय अण्डा शहतूत के फल की भाँति गुच्छा हुआ प्रतीत होता है व यह अवस्था "मोरूला" कहलाती है।
32 Cells वाली अवस्था से ही यह मोरूला कहलाने लगता है।

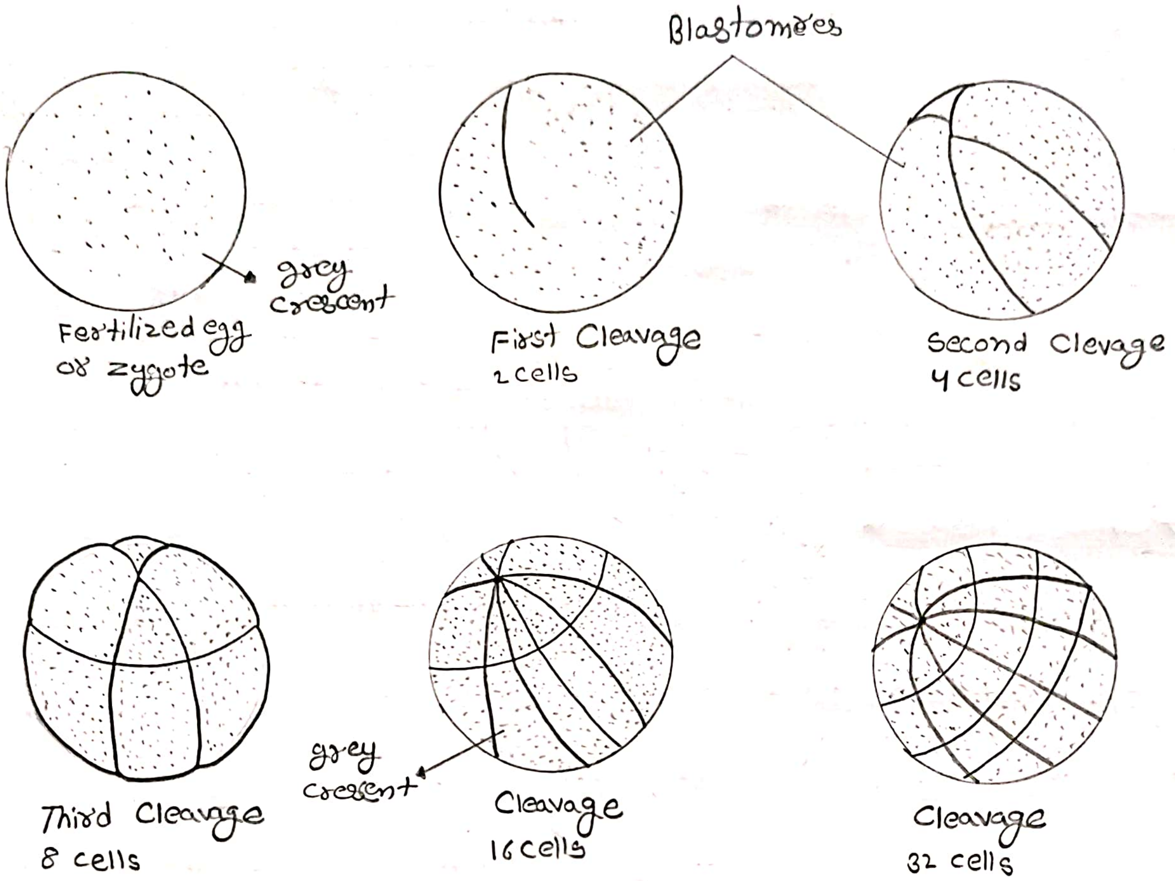

DIG:- DIFFERENT STAGES OF CLEAVAGE

Page No. :..........................

Date :..........................

Spotes

Teacher Signature ....

Date
Page

Hardmania (हर्डमैनिया)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub Phylum	-	यूरोकॉर्डेटा
Class	-	एसिडिएसिया
Family	-	हर्डमैनिया
Genus	-	हर्डमैनिया

लक्षण / Characters →

i. यह एक समुद्री स्क्वर्ट है, जो उथले पानी में पाया जाता है।

ii. यह एक उभयलिंगी कॉर्डेट है।

iii. इसका शरीर गुलाबी रंग का होता है।

iv. यह लगभग 9.5 cm लम्बा, 7 cm चौड़ा व 4 cm मोटा होता है।

v. हर्डमैनिया एक फिल्टर फिडर है, जिसका अर्थ है, कि यह पानी को छानकर भोजन ग्रहण करता है।

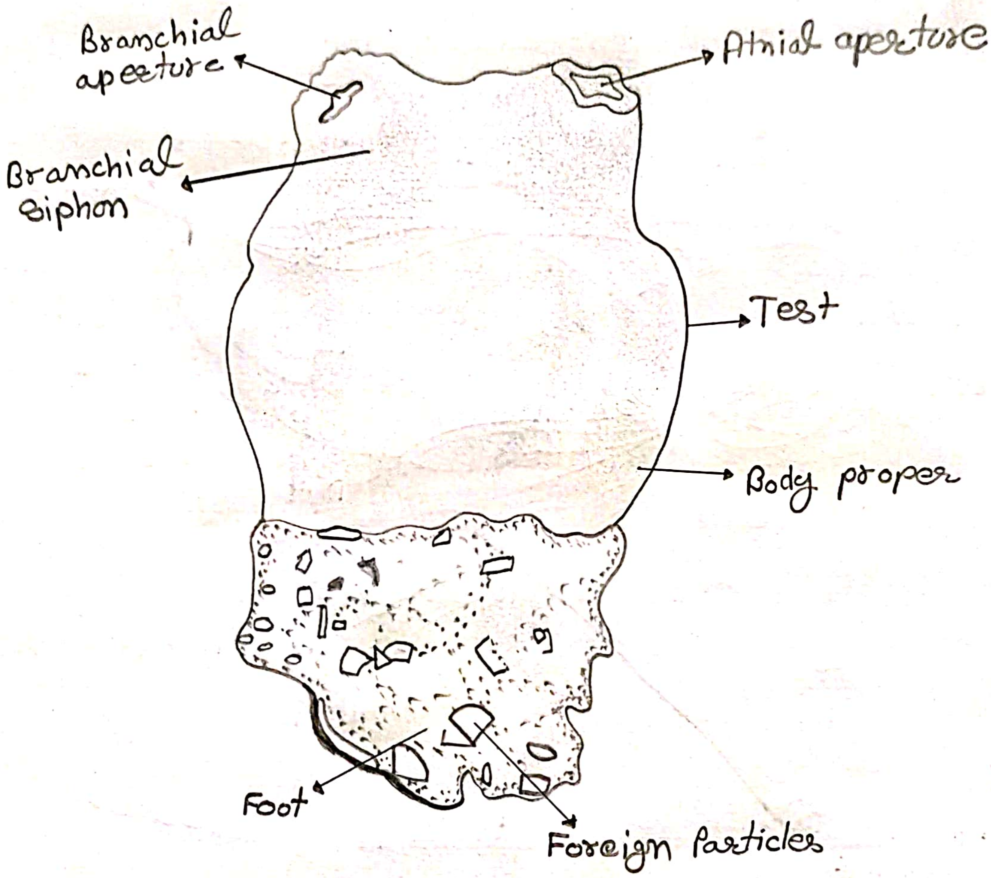

DIG:-HERDMANIA PALLIDA EXTERNAL FEATURES

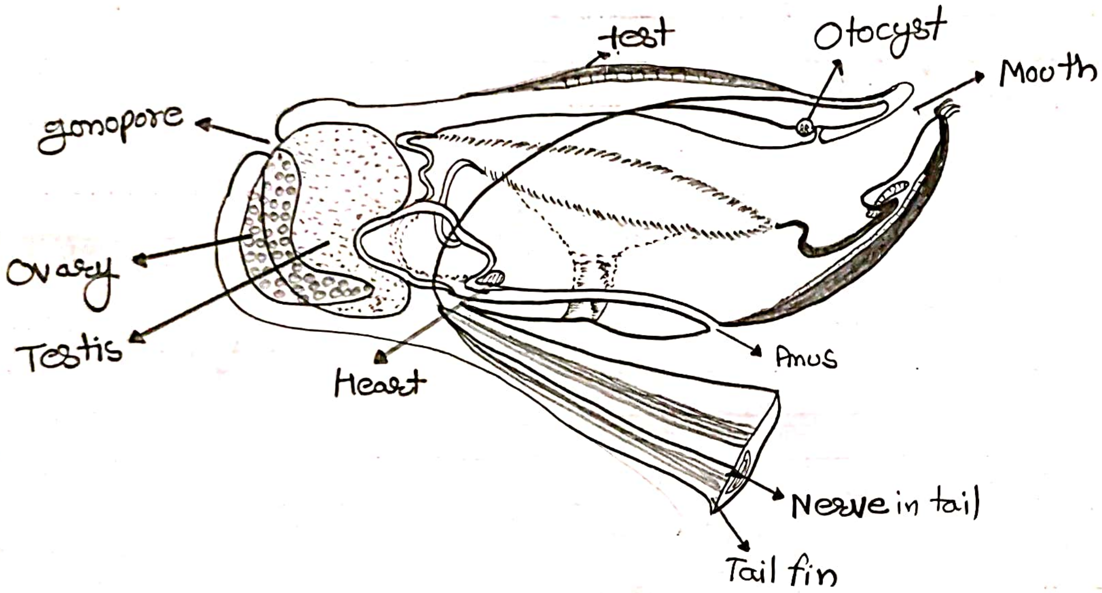

DIG :- OIKOPIEURA

Date
Page

ओइकोप्लेउरा (Oikopleura)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum - कॉर्डेटा
Sub Phylum - यूरोक्रिटा
Class - एपेंडिकुलरिया
Genus - ओइकोप्लेउरा।

लक्षण/Characters →

i. यह छोटे, पेलाजिक जीव हैं, जो दुनिया के अधिकांश महासागरों में पाये जाते हैं।
ii. ये टैडपोल जैसे दिखते हैं।
iii. इनके जीनोम प्राणि जगत में सबसे छोटे हैं।
iv. इनकी कुछ प्रजातियां बायोल्यूमिनसेंट होती हैं।
v. यह एक महत्वपूर्ण समुद्री बर्फ योगदानकर्ता हैं।

एसिडिया (Ascidia)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub-Phylum	-	यूरोकॉर्डेटा
Class	-	एसिडिएसिया
Order	-	एंटेरोगोना
Genus	-	एसिडिया

Characters →

i. यह एकल स्थानबद्ध उथले समुद्री जल में पाया जाता है।

ii. यह साधारणतया समुद्री स्कर्ट कहलाता है।

iii. शरीर बेलनाकार 10-12 cm लम्बा होता है।

iv. यकृत का अभाव व हृदय नलिकाकार होता है।

v. आमाशय फूला हुआ व आंत वलय /लूप नुमा होती है।

DIG:- ASCIDIA

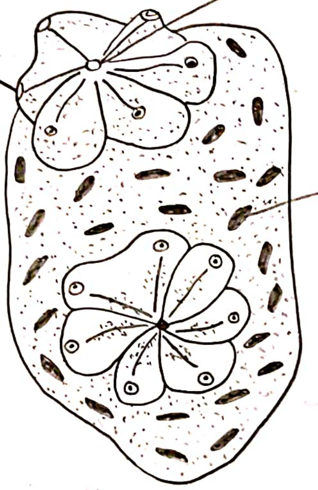

DIG:- BOTRYLLUS

Date
Page

बोट्रिलस (Botryllus)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub-Phylum	-	यूरोकॉर्डेटा
Class	-	एसिडिएसिया
Order	-	एसिडिए कम्पोजिटी
Genus	-	बोट्रिलस

लक्षण / Characters →

i. यह निवही जंतु समुद्र में चट्टानों, घोंघों, खम्भों / जहाज की तली जैसे आधार से संलग्न रहता है अतः स्थानबद्ध जंतु है।

ii. ग्रसनी में स्टिगमेटा / क्लोम रंध्र आयताकार होते हैं।

iii. पृष्ठ पटल पर में जिव्हिकाएँ नहीं पायी जाती हैं।

iv. यह अटलांटिक व मेडिटेरानियन समुद्र में पाया जाता है।

v. ये उभयलिंगी होते हैं।

Date
Page

पेट्रोमाइजॉन (Petromyzon)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Group	-	क्रेनिएटा
Sub-Phylum	-	एग्नेथा
Class	-	साइक्लोस्टोमेटा
Order	-	पेट्रामाइजॉन्टिया
Genus	-	पेट्रामाइजॉन मेरीनस

लक्षण / Characters →

i. यह समुद्री व स्वच्छ जल दोनों में पाया जाता है इसे साधारणतः लैम्प्रे कहते

ii. ये मछलियों पर बाह्य परजीवी के रूप में जीवन व्यतीत करते हैं।

iii. त्वचा में शल्कों का अभाव होता है।

iv. नासा छिद्र के पीछे पिनियल काय पायी जाती हैं।

v. नर व मादा अलग-2 होते हैं।

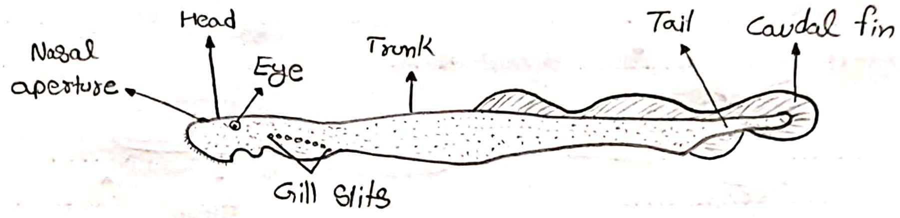

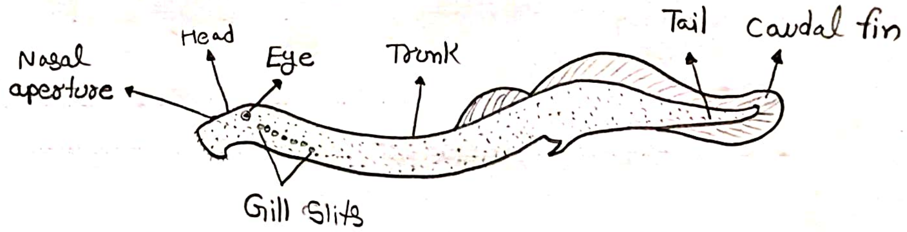

DIG :- PETROMYZON

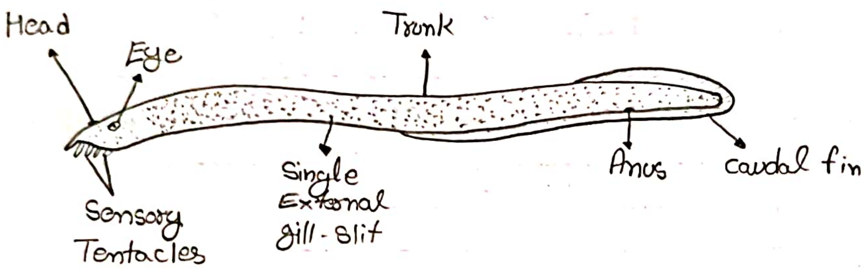
Head
Eye
Trunk
Sensory Tentacles
Single External gill-slit
Anus
caudal fin

DIG :- MYXINE

Date________
Page________

मिक्साइन (Myxine)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Group	-	क्रेनिएटा
Sub-Phylum	-	एग्नैथा
Class	-	साइक्लोस्टोमेटा
Order	-	मिक्सिनोइडिया
Genus	-	मिक्साइन / हैलोस्टोमा

लक्षण/Characters →

i. ये समुद्री जल की तली में पड़ी हुई अवस्था में पायी जाती हैं।

ii. इन्हें साधारणतः हैग-फिश कहते हैं।

iii. शरीर लम्बा, बेलनाकार ईल के समान लगभग 45-60 cm लम्बा होता है।

iv. त्वचा चिकनी व शल्क रहित होती है।

v. मुख के पार्श्व में 4 जोड़ी संवेदी मुखीय स्पर्शक पाये जाते हैं।

PTC

Date
Page

एमोसीट लारवा (Ammocoete Larva)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Group	-	क्रेनिएटा
Sub-Phylum	-	एग्नेथा
Class	-	साइक्लोस्टोमेटा
Order	-	पेट्रोमाइजोंडिया
Genus	-	एमोसीट लारवा

लक्षण / Characters →

i. केवल स्वच्छ जल में पाया जाता है, जो पेट्रोमाइजॉन का लारवा है।

ii. नेत्र पर नेत्र पेशियां व देह पर मोटी त्वचा पायी जाती है।

iii. ग्रसनी के अधर सतह पर एण्डोस्टाइल पायी जाती है।

iv. यह शैवाल व जीवाणुओं का भक्षण करता है।

v. लारवा अवस्था 3-4 वर्ष की होती है, परंतु कुछ जातियों में यह अवस्था 7 वर्ष की जाती है।

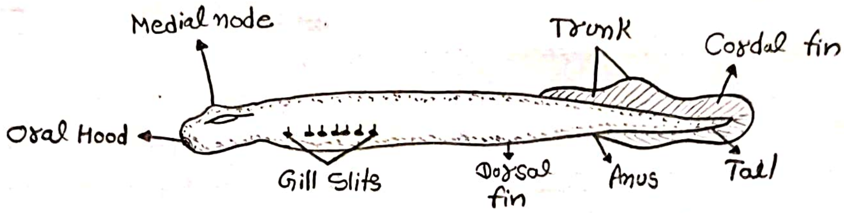

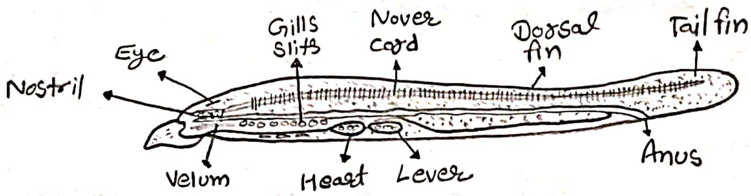

DIG:- AMMOCOETE - LARVA

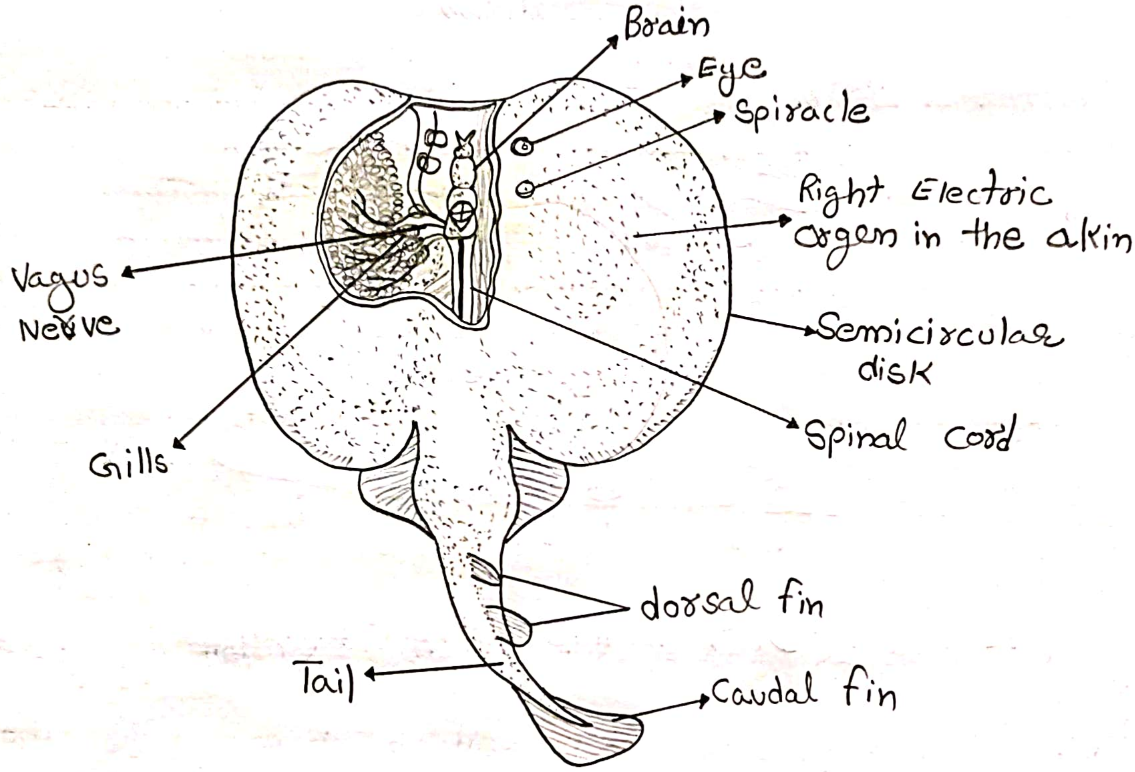
Brain
Eye
Spiracle
Right Electric organ in the skin
Semicircular disk
Spinal cord
Vagus Nerve
Gills
dorsal fin
Tail
Caudal fin

DIG :- TORPEDO

Date
Page

टॉरपीडो (Torpedo)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum - कॉर्डेटा।
Group - क्रेनिएटा।
Sub-Phylum - नेथोस्टोमेटा।
Class - कॉन्ड्रिक्थीज
Order - हाइपोट्रिमेटा।
Genus - टॉरपीडो
Super Class - पिसीज

लक्षण / Characters →

i. यह समुद्री जल में पेंदे पर पायी जाती है व मांसाहारी मछली है।

ii. साधारणत: इसे विद्युत-रे कहते हैं।

iii. सिर पर अंस पखों के बीच में एक जोड़ी विद्युत अंग पाये जाते हैं।

iv. आँखें व क्लोम रंध्र पृष्ठ सतह पर पाये जाते हैं।

v. मुख व क्लोम छिद्र अधर सतह पर पाये जाते हैं।

PTC

Date
Page

काइमिरा (Chimaera)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	कॉर्डेटा
Group	क्रेनिएटा
Sub-Phylum	नेथोस्टोमेटा
Super-Class	पिसीज
Class	होलोसेफेलाई
Order	काइमेरीफोर्मिस
Genus	काइमिरा

लक्षण / Characters →

i. यह समुद्री जल में पायी जाने वाली मछली है। यह अकशेरुकियों व समुद्री भक्षियों का भक्षण करती है।

ii. इसे साधारणतः पूंछ मछली / हेरिंग्स का राजा / श्वेत शार्क भी कहते हैं।

iii. शरीर लगभग 60 cm लम्बा सम्पीडित व कुंद तुण्ड युक्त होता है।

iv. आंत्र में सर्पिलाकार कपाट पाया जाता है।

v. पार्श्व रेखा तंत्र खुली खांच के रूप में पायी जाती है।

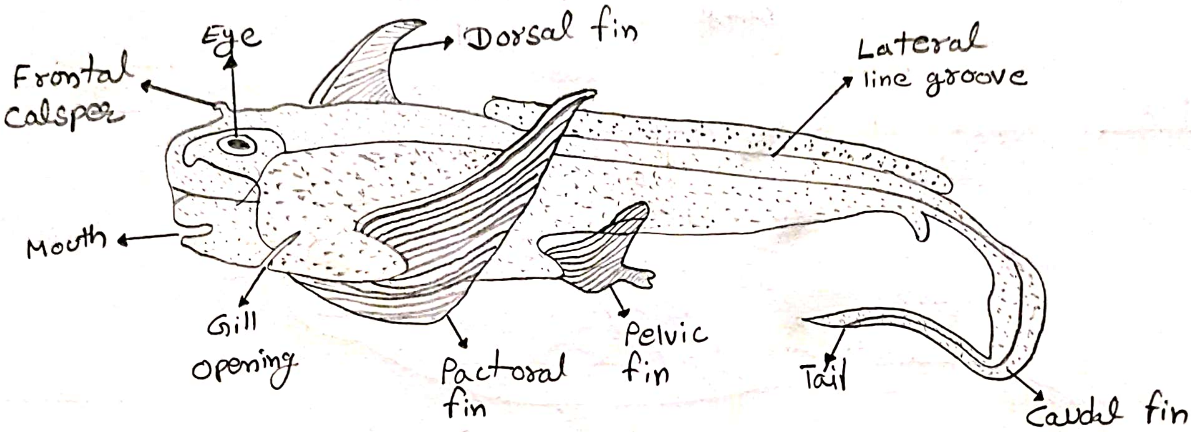

DIG :- CHIMAERA

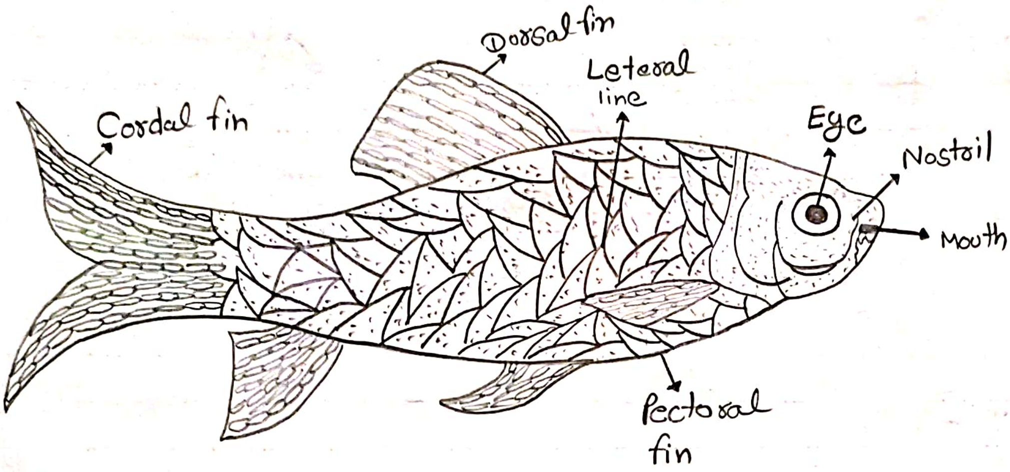
Dorsal fin
Leteral line
Cordal fin
Eye
Nostril
Mouth
Pectoral fin

DIG :- LEBEO

Date
Page

लेबियो (Labeo)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	कॉर्डेटा
Group	क्रेनियेटा
Sub-Phylum	नेथोस्टोमेटा
Super Class	पिसीज
Class	ओस्टिक्थीज
Order	साइप्रिनीफार्मीज
Genus	लेबियोरोहिता

लक्षण / Characters →

i. यह स्वच्छ जलिय स्त्रोत झील व नदियों में पाया जाता है।

ii. इसे सामान्यतः भारतिय रोहू कहते हैं।

iii. देह का रंग चाँदी समान नीले, पीले व लाल प्रभाव युक्त होते हैं।

iv. पार्श्व रेखा स्पष्ट होती है।

v. सिर के पिछे बडा ओपरकुलम पाया जाता है, जो 4 जोडी गिल्स को ढके रखता है।

एन्गुइला (Anguilla)

वर्गीकरण/Classification →
Phylum - कॉर्डेटा
SuperClass - पिसीज
Class - ऑस्टिक्थीज
Order - एन्गुइलीफार्मीज
Genus - एन्गुइला

लक्षण/Characters →

i. यह स्वच्छ जल में पायी जाने वाली मछली है, जो समुद्राभिगामी होती है।

ii. इसे साधारणतः सर्प मीन / ईल के नाम से जाना जाता है।

iii. शरीर लम्बा, पतला, दुबला पतला सर्प की तरह बेलनाकार होता है।

iv. पंखों में पंख अरे पायी जाती है।

v. गिल छिद्र छोटे होते हैं व ओपरकुलम द्वारा ढके होते हैं।

PTC

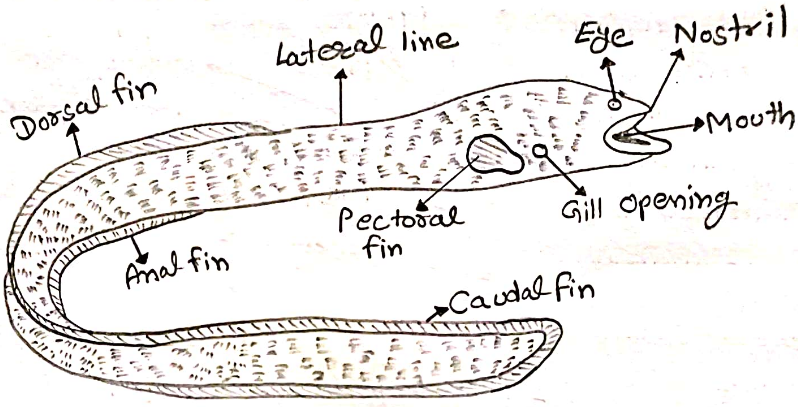

DIG :- ANGUILLA

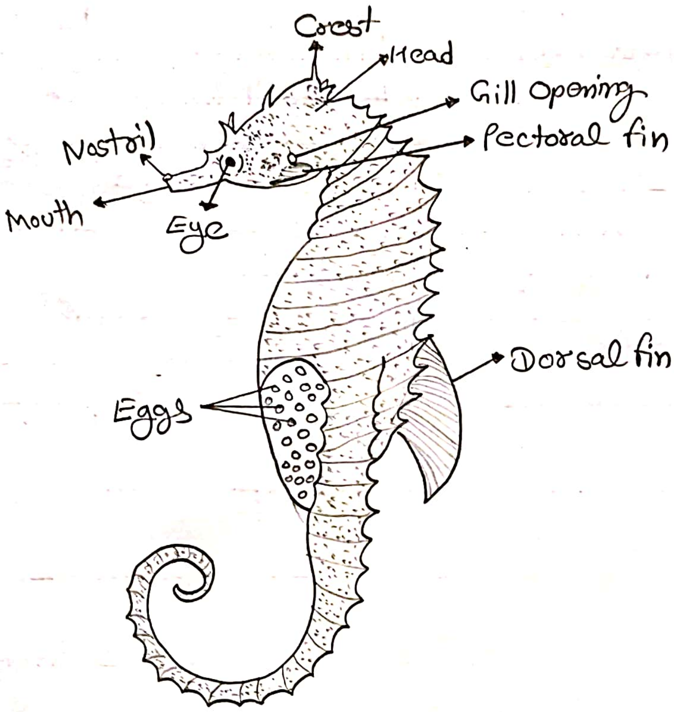

DIG:- HIPPOCAMPUS

Date________
Page________

हिप्पोकैम्पस (Hippocampus)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub-Phylum	-	ग्नैथोस्टोमेटा
Super Class	-	पिसीज
Class	-	ऑस्टिक्थीज
Order	-	सिन्ग्नैथीफॉर्मिज
Genus	-	हिप्पोकैम्पस

लक्षण / Characters →

i. यह जंतु समुद्र तल में पृष्ठ पंख की सहायता से उर्ध्वाधर अवस्था में तैरता पाया जाता है।

ii. इस मछली का सिर व ग्रीवा घोड़े के सिर व ग्रीवा से समानता रखता है।

iii. जबड़े चोंच में परिवर्तित होकर सिर के भाग बनते हैं।

iv. अंस पंख ह्रासित व ऑपरकुलम के पीछे स्थित होते हैं।

v. मध्य पंखों में केवल, छोटा पृष्ठीय पंख पाया जाता है।

एकीनीस (Echeneis)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	- कॉर्डेटा
Sub-Phylum	- वर्टिब्रेटा।
Super Class	- पिसीज
Class	- ऑस्टिक्थीज
Order	- डिस्कोसिफेली
Genus	- एकीनीस / रेमोरा।

लक्षण / Characters →

i. यह उष्णकटिबंधीय व गर्म समुद्रों में पायी जाती है।

ii. इसे साधारणतः चूषक मछली भी कहते हैं।

iii. पार्श्व अवचूषक होता है।

iv. पुच्छ समपालित होती है।

v. यह इंग्लैंड के द. किनारों, हिंद महासागर, अटलांटिक व प्रशांत महासागरों में पायी जाती है।

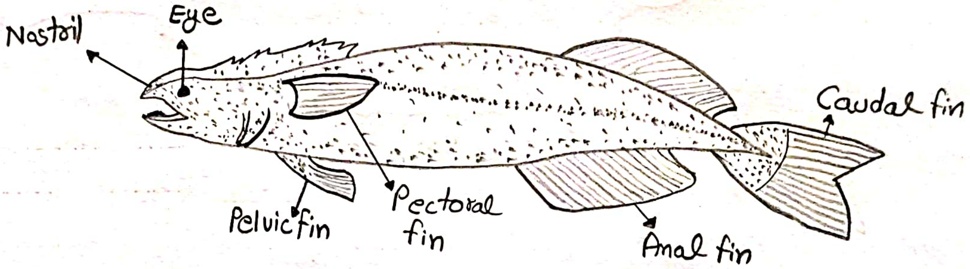

DIG :- ECHENEIS

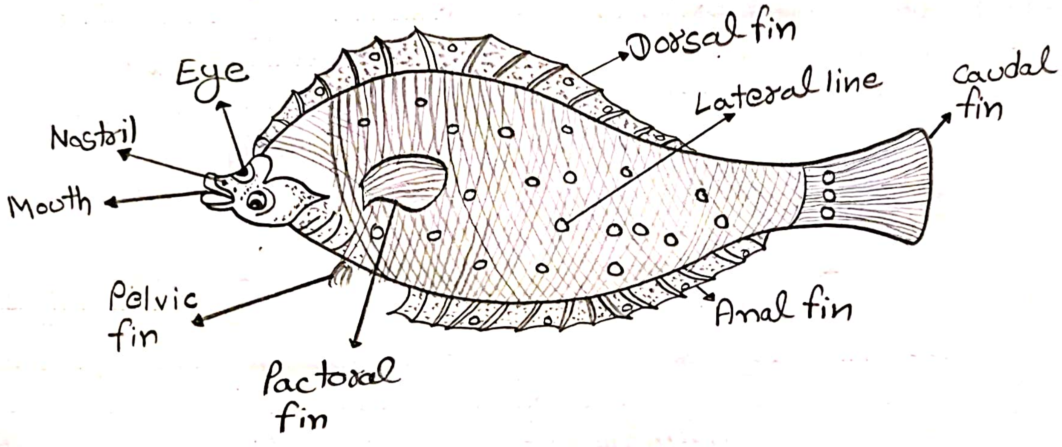

DIG :- FLAT FISH

Date
Page

(Flat - Fish)

Classification/वर्गीकरण →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub Phylum	-	नेथोस्टोमेटा
Super Class	-	पिसीज
Class	-	ऑस्टिक्थीज
Order	-	प्लूरोनेक्टीफोर्मिस
Genus	-	प्लूरोनेक्टिस

लक्षण/Characters →

i. यह समुद्री जल के तल में रहने के लिए अनुकूलित होती हैं।

ii. इसे साधारणतः चपटी मछली कहते हैं।

iii. शीर्ष असममीत होता है।

iv. दोनो आँखे ऊपर की ओर स्थित होती हैं।

v. व्यस्क में वाताशय अनुप।

Date
Page

इक्थियोफिस (Ichthyophis)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	कॉर्डेटा
Sub-Phylum	नेथोस्टोमेटा
Super Class	एम्फीबिया
Class	एम्फीबिया
Order	एपोडा
Genus	इक्थियोफिस

लक्षण/Characters →

i. यह पादहिन उभयचर जंतु नम स्थानों में बिल बनाकर रहता है।

ii. इसे सामान्यतः अंधे कृमि/सीसिलिया भी कहते हैं।

iii. देह 6-9 inch लम्बी कृमि समान दुर्बल व बेलनाकार होती है।

iv. सिर छोटा व आगे से का रहता है।

v. पाद व मेखलाएं अनुप. होती हैं।

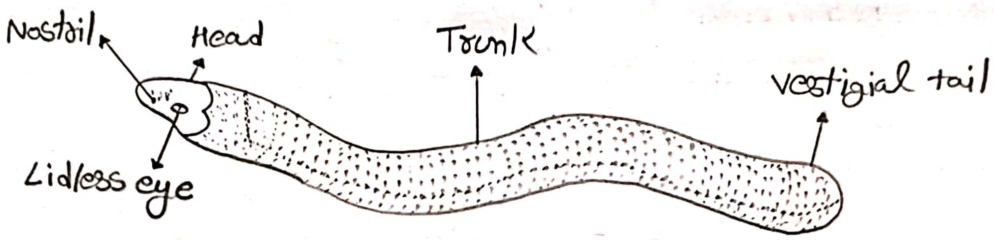

DIG:- ICHTHOPHIS

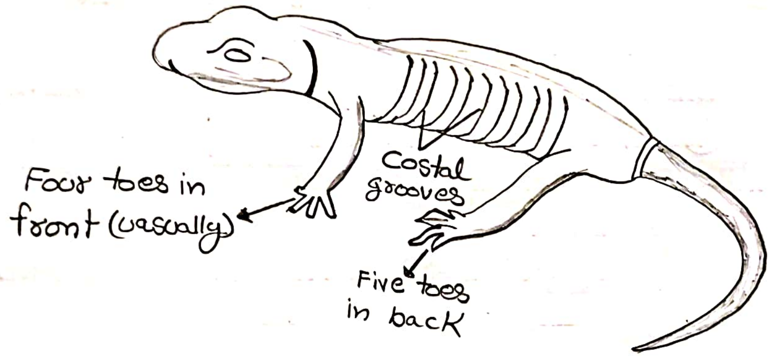

DIG :- SALAMANDER

सेलमिंडर (Salamander)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Class	-	एम्फिबिया
Order	-	यूरोडेला
Genus	-	सेलामिंडर

लक्षण / Characters →

i. यह उभयचर प्राणि हैं।

ii. छिपकली जैसे दिखने वाले पतले शरीर, कंद, पूंछ, छोटे अंग व लार्वा व व्यस्क दोनों अवस्थाओं में पूंछ के लिए जाने जाते हैं।

iii. इनकी त्वचा चिकनी व नम होती हैं।

iv. इनमें शल्क / पंजे अनु॰।

v. ये मांसाहारी होते हैं।

Date________
Page________

हायला (Hyla)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा।
Super Class	-	टेट्रापोडा।
Class	-	एम्फीबिया।
Order	-	एन्यूरा।
Genus	-	हायला।

लक्षण / Characters →

i. यह पेड़ो व चट्टानों पर पाया जाता है। इसका स्वभाव "वृक्षवासी" होता है।

ii. इसे साधारणतः वृक्षवासी मेंढ़क कहते हैं।

iii. शरीर का रंग हरा / भूरा होता है।

iv. केवल ऊपरी जबड़े में दांत पाये जाते हैं।

v. उदर की त्वचा पर नमी सोखने वाली ग्रंथिया पायी जाती हैं।

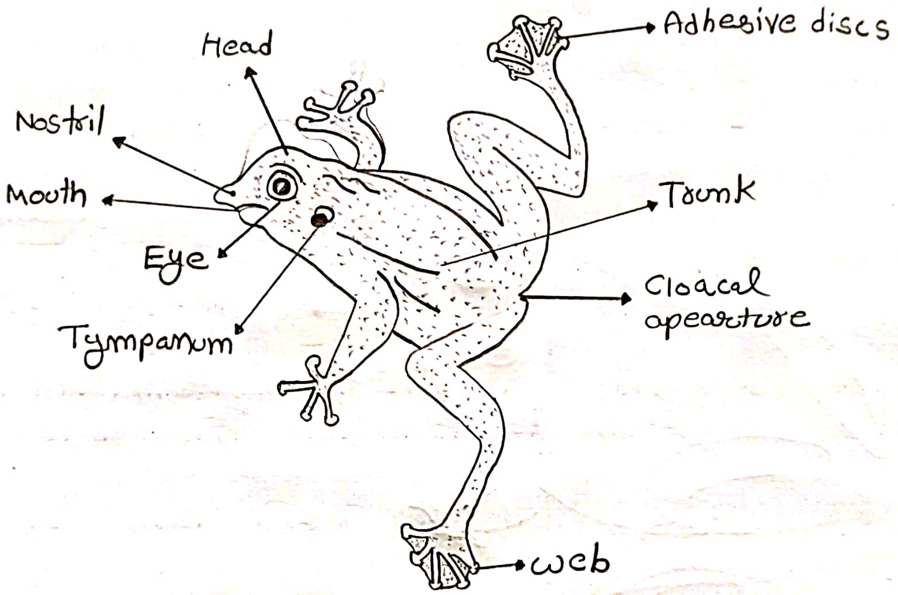
Adhesive discs
Head
Nostril
Mouth
Trunk
Eye
Cloacal apearture
Tympanum
web

DIG :- HYLA

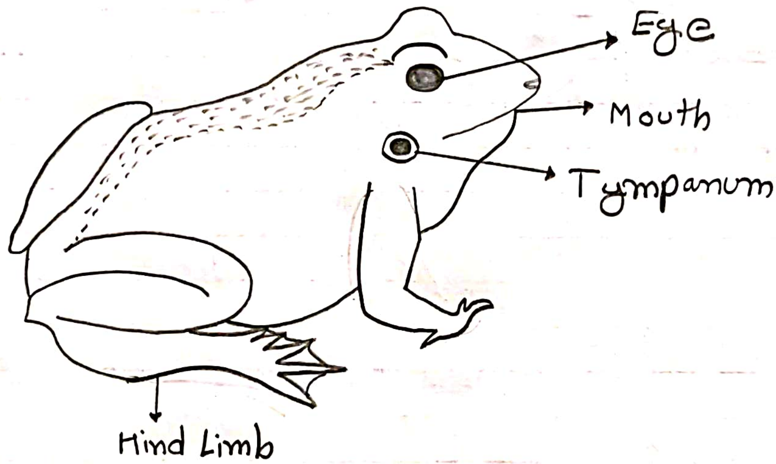

DIG :- RANA

Date
Page

राणा (Rana)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum - कॉर्डेटा
Class - एम्फिबिया
Order - एन्यूरा
Genus - राणा

लक्षण / Characters →

i. इसकी लम्बाई 12-20 Cm हो सकती है।

ii. इसकी त्वचा चिकनी, नम व फिसलनदार होती है।

iii. इसका सिर शंक्वाकार व चपटा होता है।

iv. अग्रपादों में 4 अंगुलियाँ व नरों में मैथुन-पैड होते हैं।

v. मादाएं नरों की तुलना में भारी व लम्बी होती हैं।

Date
Page

टेस्टूडो (Testudo)

वर्गीकरण/Classification → Phylum - कॉर्डेटा
Sub-Phylum - नैथोस्टोमेटा
Class - रेप्टीलिया
Order - किलोनिया
Genus - टेस्टूडो

लक्षण/Characters →

i. यह स्थलीय दिनचर प्राणि हैं, जो कृमियो व किटो का भक्षण करता हैं।

ii. इसे साधारणत: स्थलीय कछुआ कहते हैं।

iii. शरीर कठोर कवच में बंद होता हैं।

iv. करेपिस उत्तल व प्लास्ट्रोन सुविकसित शल्को से बने होते हैं।

v. शीर्ष, गर्दन, पाद व पुच्छ शल्कों से ढके रहते हैं।

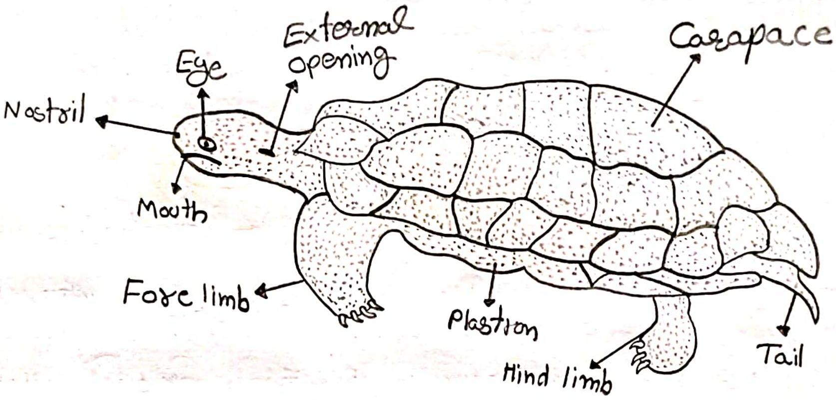
External opening
Carapace
Eye
Nostril
Mouth
Fore limb
Plastron
Hind limb
Tail

DIG:- TESTUDO

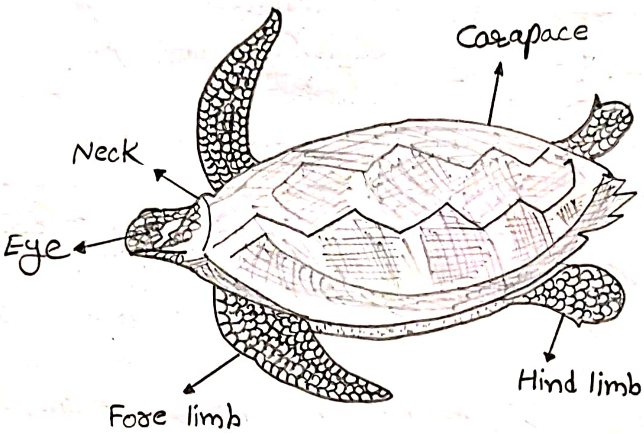

DIG :- CHELONE

Date
Page

कीलोन (Chelon)

वर्गीकरण/Classification →
Phylum - कॉर्डेटा
Sub phylum - नेफ्रोस्टोमेटा
Class - रेप्टिलिया
Order - किलोनिया
Genus - कीलोन

लक्षण/Characters →

i. यह समुद्री जंतु है, शाकाहारी होता है व शैवाल का भक्षण करता है।

ii. ऊपरी व नीचले जबड़े चोंच नुमा व दांतों युक्त होते हैं।

iii. ग्रीवा लम्बी होती है, जो कैरापेस में पूर्णत: छिप नहीं पाती

iv. पूंछ छोटी होती है।

v. यह जंतु समुद्र के किनारे मिट्टी में अण्डे देते हैं।

PTC

Date__________
Page__________

जल कछुआ (Fresh water Tortoise)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub Phylum	-	वर्टीब्रेटा
Class	-	रैप्टीलिया
Order	-	किलोनिया
Genus	-	टेस्टूडस

लक्षण/Characters →

i. यह भारत, उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, एशिया व मलाया द्वीपसमूह में अधिकांश रूप से मिलता है।

ii. यह एक स्वच्छ जलिय व तालाब का सामान्य टेरैपिन है।

iii. पृष्ठ सतह ऊपर से जैतूनी और नीचे से पीताभ है।

iv. ओष्ठ मांसल होता है।

v. शृंगी चोंच का अभाव होता है।

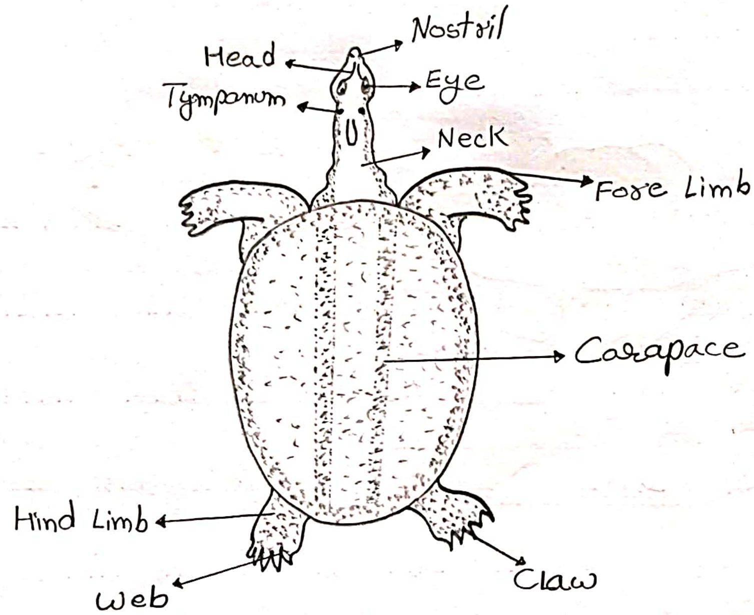

DIG:- TORTOISE

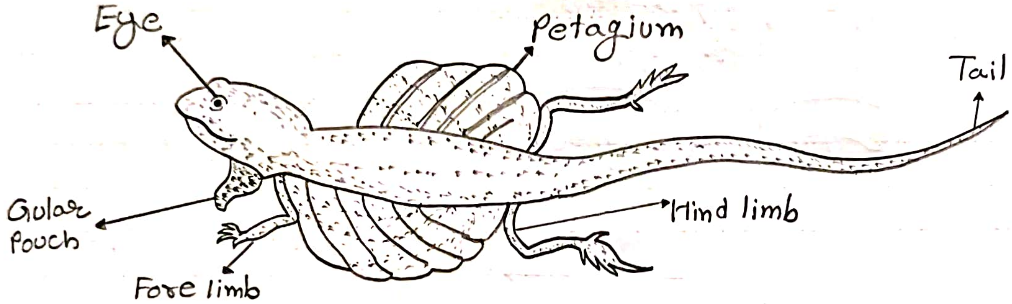

DIG:- DRACO

Date
Page

ड्रैको (Draco)

वर्गीकरण (Classification) →

Phylum	-	कॉर्डेटा।
Sub phylum	-	वर्टीब्रेटा।
Class	-	रेप्टीलिया।
Order	-	स्क्वैमेटा।
Genus	-	ड्रैको।

लक्षण / Characters →

i. यह वृक्षो पर रहती हैं कभी-2 तेजी से भूमि पर आती हैं।

ii. इसे उड़न छिपकली भी कहते हैं। भारतीय जाति डे. वोलान्स हैं।

iii. जिव्हा छोटी व मोटी होती हैं।

iv. कुंडीरूपा अग्रगामी होती हैं।

v. छल्लस - परिवर्धन।

कैमेलियोन (Chamaeleon)

वर्गीकरण/Classification → Phylum - कॉर्डेटा
Sub-phylum - नैथोस्टोमेटा
Class - रेप्टीलिया
Order - स्क्वैमेटा
Genus - कैमेलियॉन

लक्षण/Characters →

i. यह एक वृक्षवासी छिपकली है।

ii. यह कीटभक्षी होती है।

iii. पूंछ लम्बी व परिग्राही होती है।

iv. फेफड़ों में वायुकोष पाये जाते हैं।

v. आँखे बड़ी होती हैं व मोटी ग्रंथिल पलकों द्वारा ढकी रहती हैं।

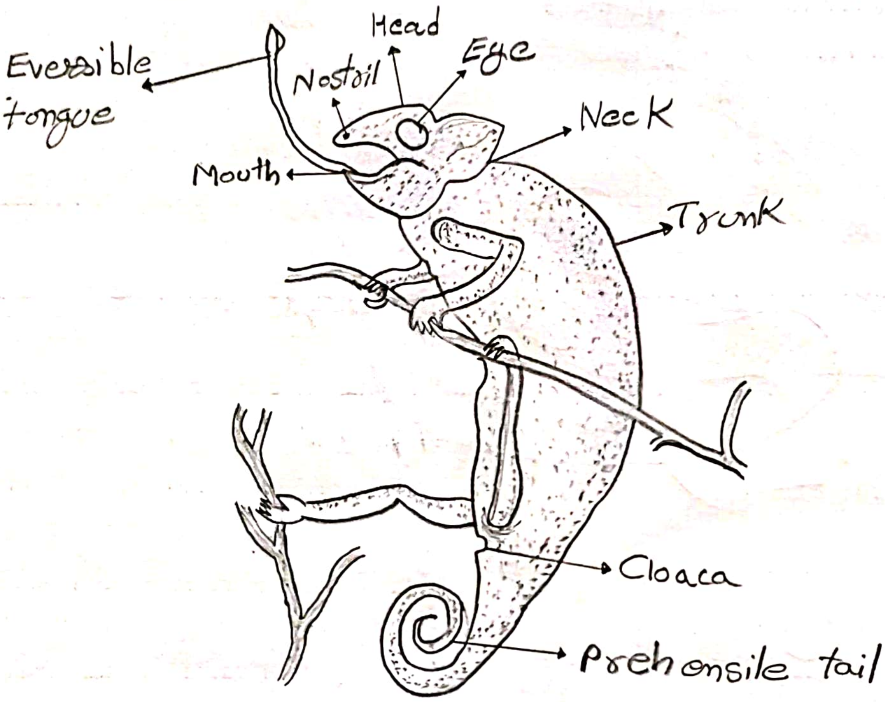

DIG :- CHAMAELEON

Date :.........................

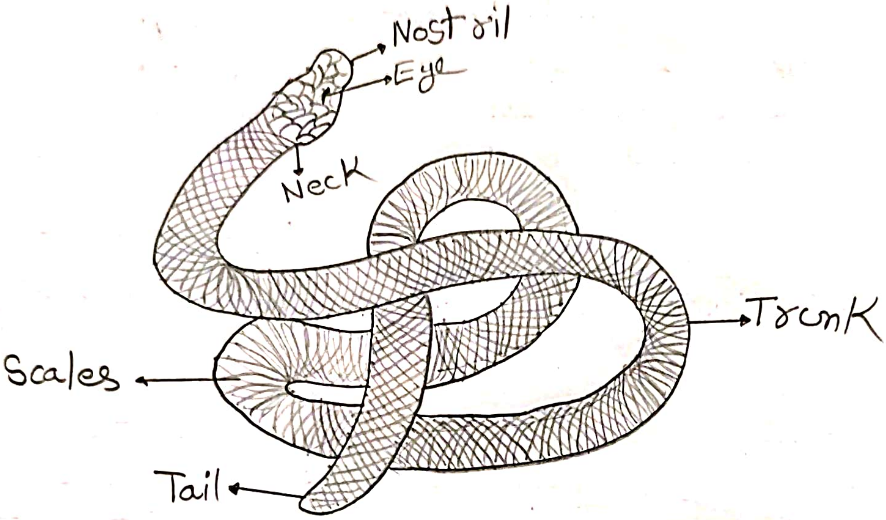

DIG:- ERYX

Teacher Signature ....

PRIYANSHU PUBLICATION

एरिक्स (Eryx)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum - कॉर्डेटा
Sub-Phylum - नेथोस्टोमेटा
Class - रेप्टीलिया
Order - स्क्वामेटा
Genus - एरिक्स

लक्षण/Characters →

i. यह मुख्यतः मरुस्थलीय प्रदेशों में छिपा पाया जाता है।

ii. यह छिपकली, मेंढ़क व चूहे खाता है।

iii. इसे साधारणतः दुमुही सांप / सिण्ड बोआ कहते हैं।

iv. यह एक विषहीन अहानिकारक सर्प है।

v. पुच्छ का पश्च छोर मोटा सिर नुमा होता है।

Date
Page

नाजा (Naja)

वर्गीकरण (Classification) →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub-Phylum	-	नैथोस्टोमेटा
Class	-	रेप्टीलिया
Order	-	स्क्वेमेटा
Genus	-	नाजा

लक्षण / Characters →

i. यह काले रंग का विषैला सर्प है, जो मिट्टी में बिल बनाकर रहता है।

ii. यह नाग / कोबरा के नाम से जाना जाता है।

iii. देह काले-भूरे रंग की सामान्य लंब 6 Fit तक होती है।

iv. यह दिनचर जन्तु पत्थरो के नीचे वनस्पति के निकट बिल में रहता है।

v. यह अण्डे देता है मादा एक बार में 6 अण्डे देती है।

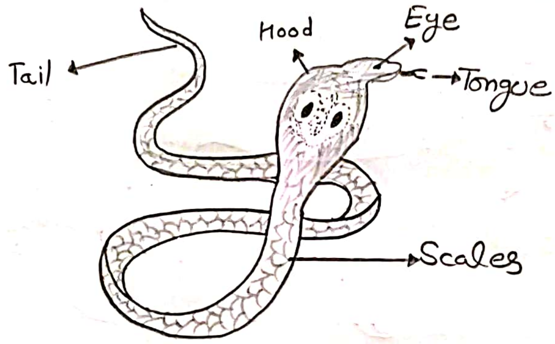

DIG :- NAJA

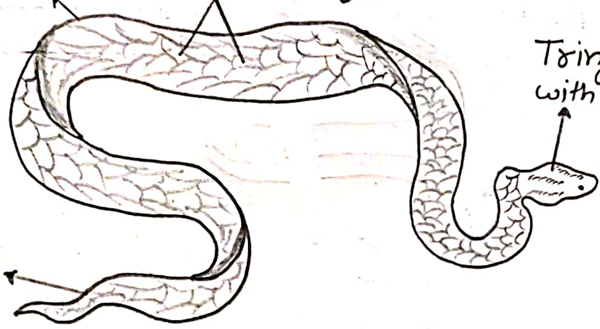

DIG:-VIPER

Date____________
Page____________

वाइपर (Viper)

<u>वर्गीकरण</u>/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub phylum	-	नैथोस्टोमेटा
Class	-	रेप्टीलिया
Order	-	स्क्वेमेटा
Genus	-	वाइपर

<u>लक्षण</u>/Characters →

i. यह पहाड़ी व झाड़ियों वाले प्रदेश में पाया जाता है।

ii. इसे साधारणत: डोबिआ सर्प / घोसण कहते हैं।

iii. यह विषैला सर्प है व गर्तहीन वाइपर के नाम से जाना जाता है।

iv. शरीर मोटा लगभग 1.5 - 2m लम्बा होता है।

v. यह यूरोप, एशिया, श्रीलंका, बर्मा व भारत में पाया जाता है।

PTC

Date
Page

क्रोकोडिलस (Crocodilus)

वर्गीकरण/Classification →
Phylum -
Sub-Phylum -
Class -
Order -
Genus -

लक्षण/Characters →

i. यह नदियो व झीलो में रहने वाला मांसाहारी जंतु है, जो स्थल पर भी रह सकता है।

ii. यह लम्बी, बडे श्रृंगीय शल्को व प्लेटो से ढकी होती है व 5-6m तक लम्बी हो सकती है।

iii. जीभ चपटी, मोटी व बाहर निकलने वाली नहीं होती।

iv. यह मांसाहारी जंतु है, जो कशेरुकीयो का भक्षण करता है।

v. नर में एक शिश्न होता है। मादा अंडे अपनी सुरंग में घोसला बनाकर देती है व उनकी रक्षा करती है।

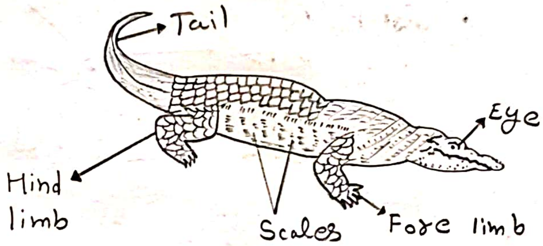

DIG :- CROCODILUS

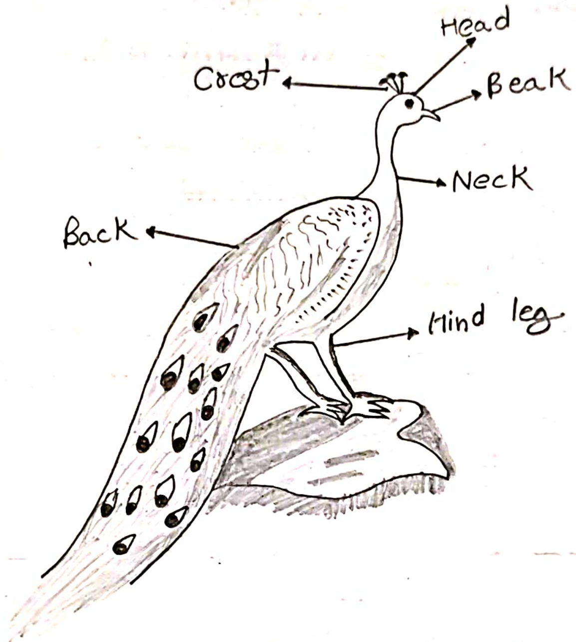

DIG:- PAVO CRISTATUS

पैवो क्रिस्टेटस (Pavo Cristatus) / मयूर

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub phylum	-	नैथोस्टोमेटा
Class	-	एविज
Order	-	गैलीफार्मिज
Genus	-	पैवो क्रिस्टेटस

लक्षण/Characters →

i. यह घने झाड़ीदार जंगलो में पाया जाता हैं, जहाँ जल स्रोत उपलब्ध हो।

ii. इसे साधारणत: मोर / मयूर कहते हैं।

iii. भारत का यह राष्ट्रिय पक्षी हैं।

iv. पाद दोडने व खुरचने के लिए उपयुक्त होते हैं।

v. यह समूह में रहता हैं। एक समूह में एक नर व 4-5 मादाएँ होती हैं।

Date
Page

कोरिओटिस (Choriotis)

वर्गीकरण / Classification -

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub-Phylum	-	नेथोरस्थोमेटा
Class	-	एवीज
Order	-	ग्रूइफार्मिज
Genus	-	कोरिओटिस

लक्षण / Characters →

i. यह घास, झाड, या झरबांड वाले खुले व खेतो वाले क्षेत्रो मे जहां जल उपलब्ध हो, पाया जाता हैं।

ii. इसे राजस्थान में राज्य पक्षी का दर्जा प्राप्त हैं।

iii. यह समूह में रहता हैं, जिसमें 2-3 बच्चे होते हैं।

iv. खडी चिड़िया लगभग 4 Fit ऊंच रखती हैं।

v. इसका भार 8-14 Kg होता हैं।

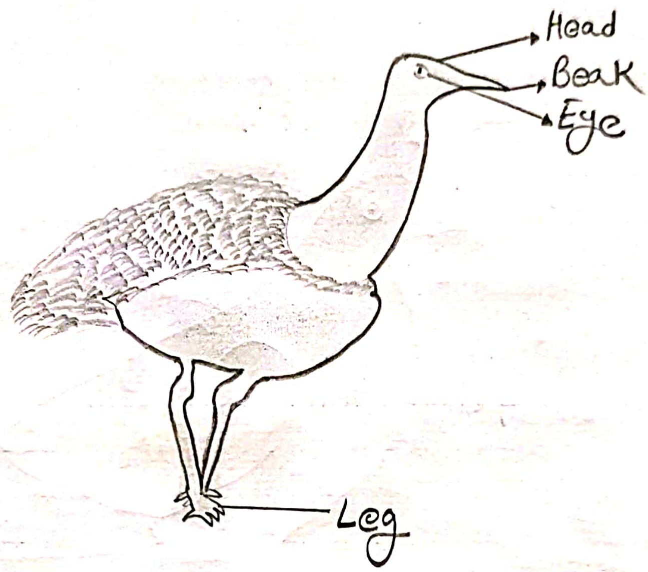

DIG :- CHORIOTIS

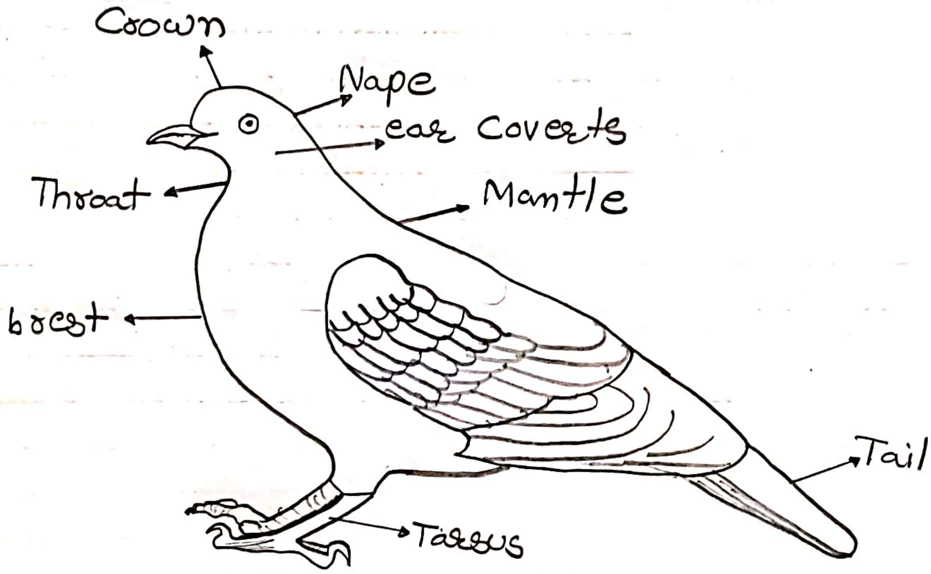

DIG :- COLUMBA

Date________
Page________

कोलंबा (Columba)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Class	-	एवीज
Order	-	कोलंबिफॉर्मिस
Genus	-	कोलंबा

लक्षण/ Characters →

i. उड़ान के लिए अनुकूलित एक सुव्यवस्थित शरीर, इन्द्रधनुषी गर्दन व पंख के परों के साथ एक नीला-भूरा शरीर व अलग-2 काले पंख पट्टियों द्वारा पहचाने जाते हैं।

ii. इनके पास ब्लैक पंख पर दो अलग-2 काली पट्टियां होती हैं।

iii. एक गहरे-भूरे गुलाबी चोंच के साथ एक हल्के भूरे रंग का पंख होता है।

iv. इनकी नारंगी / लाल आँखें होती हैं।

Date
Page

मैनिस (Manis)

वर्गीकरण/Classification → Phylum : कॉर्डेटा
Sub-Phylum : वर्टिब्रेटा
Class : मैमेलिया
Order : फोलिडोटा
Genus : मैनिस

लक्षण/Characters →

i. यह पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाने वाला रात्रीचर व बिलकारी प्राणी है।

ii. इसे सामान्यतः शल्की चींटी खोर/पेंगोलिन भी कहते है।

iii. ये चीटियो व दिमको का भक्षण करता हैं।

iv. सिर पर नुकिला तुण्ड/थूथन पाया जाता हैं।

v. नेत्र व कर्ण पल्लव छोटे होते है।

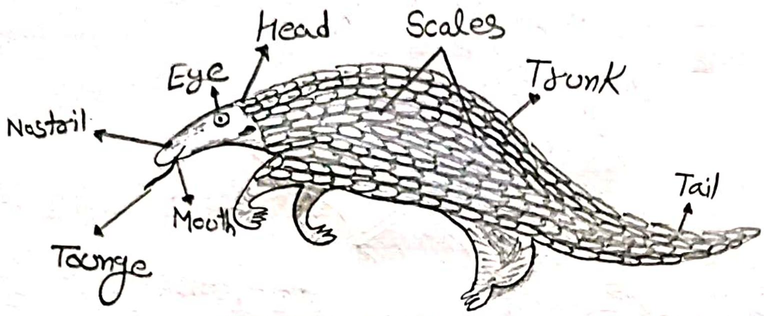

DIG :- MANIS

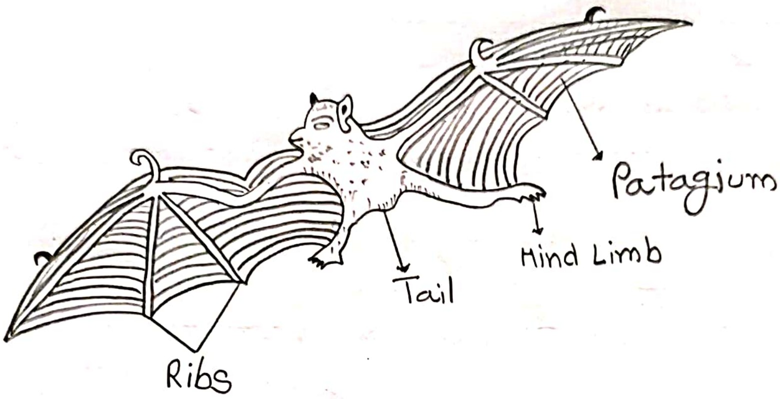

DIG:-SMALL BAT

छोटी चमगादड़ (Small Bat)

वर्गीकरण/Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub Phylum	-	वर्टीब्रेटा
Class	-	मैमेलिया
Order	-	कीरोप्टेरा काइरॉप्टेरा
Type ~~Genus~~	-	~~छे~~ छोटी चमगादड

लक्षण/Characters →

i. विश्वव्यापी छोटी कीट-भक्षी चमगादडो की अनेक जातियां होती हैं,

ii. ये रात्रीचर होते हैं।

iii. नेत्र अपेक्षाकृत छोटे, किंतु श्रवण उपकरण अत्यंत विकसित,

iv. अग्रपाद की पहली अंगुली पर नखर होते हैं,

v. इनकी बीट अर्थात मल गुआनो कहलाता हैं।

Date____________
Page____________

कंगारू (Kangaroo)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum - कॉर्डेटा
Class - मैमेलिया
Order - डिप्रोटोडोंटिया
Genus - मैक्रोपस

लक्षण / Characters →

i. यह उछलने - कूदने के लिए अनुकूलित होते हैं।

ii. संतुलन के लिए इनके पास एक लम्बी मांसल पूंछ भी होती है।

iii. कंगारूओं का सिर छोटा व कान अपेक्षाकृत बड़े व गोल होते हैं।

iv. मादा कंगारूओं के पास एक थैली होती है; जिसमें वे अपने बच्चों का पालन - पोषण करती है।

PTC

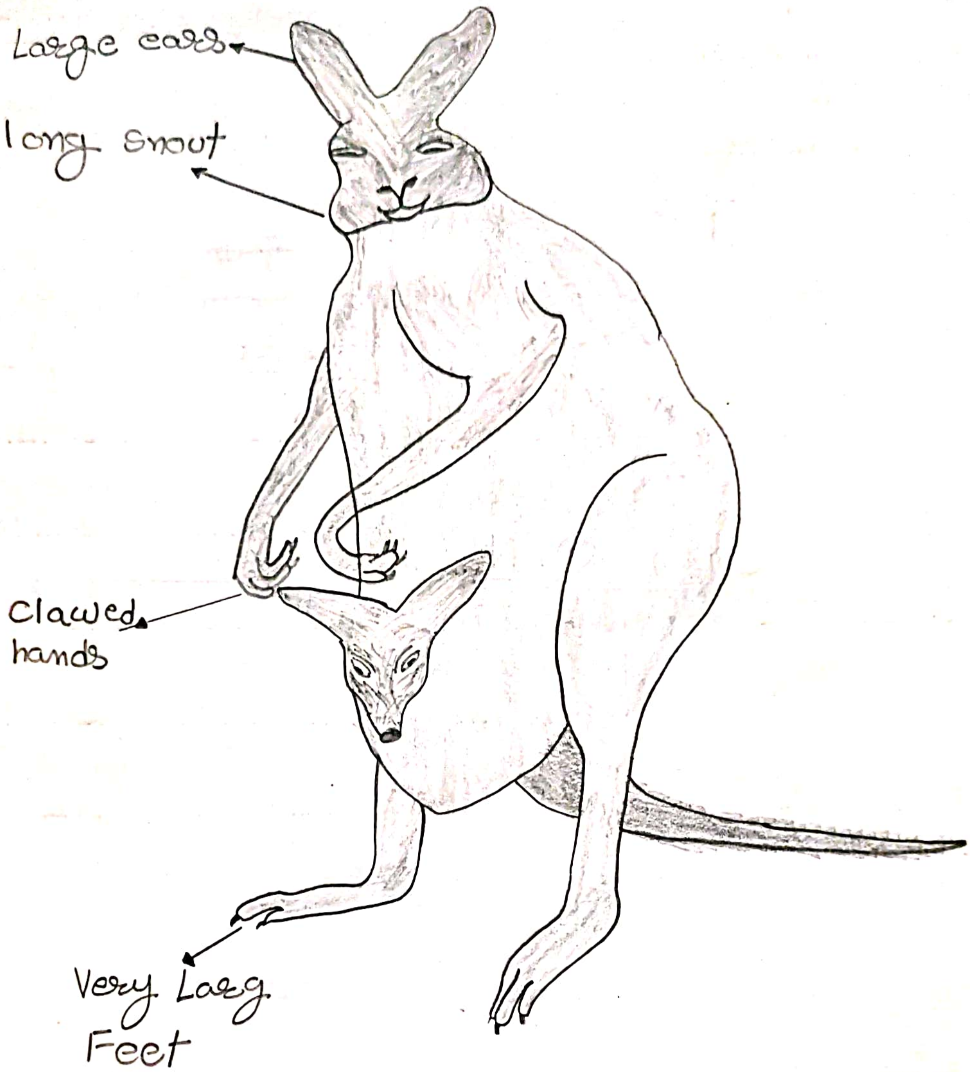

DIG :- KANGAROO

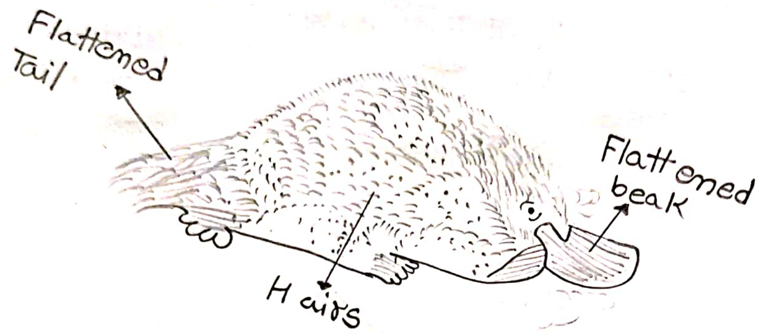

DIG:- ORNITHORHYNCHUS

Date
Page

ऑरनिथोरिंकस (Ornithorhynchus)

वर्गीकरण / Classification →

Phylum	-	कॉर्डेटा
Sub Phylum	-	वैर्टीब्रेटा
Class	-	मैमेलिया
Order	-	मोनोट्रिमेटा
Genus	-	ऑर्निथोरिंकस

लक्षण / Characters →

i. यह नदियों, झीलों व तालाबों में पाया जाता है।

ii. आँखें छोटी होती हैं व उन पर निमेषक पटल पायी जाती हैं।

iii. पूँछ चपटी व चप्पू के समान होती हैं जो तैरने में सहायक होती हैं।

iv. वृषण उदरीय होते हैं।

v. मादा में गर्भाशय व योनि का अभाव होता है।

R. K. GROUP OF COLLEGE

BEHIND KALWAR POLICE STATION, KALWAR, JAIPUR (RAJ.)